राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,02 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–336 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

फोन पर मिली नागपुर में संघ मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित संघ मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। एक अज्ञात आदमी ने फोन कर यह धमकी दी है। जिसके बाद संघ मुख्यालय की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। मुख्यालय की सुरक्षा के लिए अब अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस आसपास रहने वाले लोगों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। डीसीपी जोन-3 गोरख भामरे ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम में दोपहर 1 बजे एक फोन आया था। एक व्यक्ति ने महल इलाके में आरएसएस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी है। डीसीपी ने बताया कि एक बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड टीम को बुलाया गया है। कैंपस की जांच की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। डीसीपी ने कहा एहतियात के तौर पर पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। पुलिस कॉल करने वाले की पहचान करने के लिए फोन नंबर की लोकेशन ट्रेस कर रही है।

नए साल पर दिल्ली व आसपास महसूस किए गए भूकंप के झटके घबराकर घरों के बाहर निकले लोग

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर और इसके आसपास के इलाकों में शनिवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके तब महसूस किए गए जब लोग नए साल के जश्न में डूबे हुए थे। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग अपने घरों के बाहर निकला आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में जमीन से 5 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में भूकंप के कई झटके आ चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप 31 दिसंबर को देर रात करीब 1.19 बजे आया। ठीक एक दिन पहले यानी 31 दिसंबर की सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर हिमाचल के मंडी जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए जिनकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र मंडी जिले में जमीन से पांच किलोमीटर नीचे था।

2 जनवरी से सुप्रीम कोर्ट में ऑनलाइन अपीयरेंस

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ताओं के उपस्थित होने के स्थान पर अपीरियंस पोर्टल के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई मे उपस्थित होने की सुविधा उपलब्ध कराई है। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को न्यायालय में पेश होने के लिए प्रक्रिया को आसान कर दिया है। अब अधिवक्ता सुनवाई में बिना कोर्ट में हाजिर हुए भी मामले की पैरवी कर सकेंगे। 2 जनवरी 2023 से यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

दिसंबर 2022 में 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली । 1 जनवरी 2023 को दिसंबर 2022 का जीएसटी का आंकड़ा आ गया है। इसमें लगातार 10वें महीने 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी राजस्व मिला है। बीते साल दिसंबर के महीने में 149507 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड किया गया है। इस तरह मोदी सरकार को जीएसटी कलेक्शन से शानदार कमाई हो रही है और इस मामले में सरकार के पास जोरदार रेवेन्यू आ रहा है। दिसंबर 2022 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 149507 करोड़ रुपए का रहा है और इसमें सीजीएसटी का हिस्सा 26711 करोड़ रुपए का रहा है। एसजीएसटी का हिस्सा 33357 करोड़ और आईजीएसटी का कलेक्शन 78434 करोड़ रुपए पर रहा है। इस आईजीएसटी में गुड्स के इंपोर्ट से आई रकम (40263) भी शामिल है। इसके अलावा सेस का हिस्सा 11005 करोड़ रुपए का रहा है और इसमें 850 करोड़ रुपए की रकम गुड्स के इंपोर्ट से हासिल हुई है। केंद्र ने नियमित सैटलमेंट के रूप में 36669 करोड़ रुपए सीजीएसटी का हिस्सा और एसजीएसटी के रूप में 31094 करोड़ रुपए का सैटलमेंट किया है।

जिंदल कंपनी में विस्फोट

से दो की मौत 17 लोग घायल आग अब भी काबू से बाहर

- बचाव कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर भी तैनात

नासिक ।(एजेंसी)

महाराष्ट्र के नासिक जिले के इगतपुरी तालुका के मुंढेगांव में रविवार सुबह करीब 11 बजे जिंदल पॉलीफिल्म परियोजना में बॉयलर फटने से भीषण आग लग गई। सुबह लगी आग पर समाचार लिखे जाने तक काबू नहीं पाया जा सका है। हालांकि इस आग में दो लोगों की मौत हो गई है और 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आग लगने की जानकारी ली और अधिकारियों को उचित सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं. दमकल की ओर से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। दूसरी ओर भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर भी बचाव कार्यों के लिए तैनात किए गए हैं। आपको बता दें कि नासिक-मुंबई हाईवे पर स्थित जिंदल कंपनी में रविवार सुबह एक जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज आसपास के 20 से 25 गांवों में सुनाई दी। आग इतनी भीषण थी कि आसमान में धुएं का गुबार देखा जा सकता था। आग लगने के बाद कंपनी के पूरे परिसर में अंधेरा छा गया है। काम पर लगे कर्मचारी कुछ समझ पाते इससे पहले आग तेजी से फैलने लगी।विस्फोट के तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। लेकिन आग इतनी ज्यादा फैल गई कि उसे बुझाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं. फिलहाल आग आसपास की कंपनियों में फैलती नजर आ रही है. जिले की सभी दमकल गाड़ियों और एंबुलेंस को भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस कंपनी में कुल 15000 कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह एशिया की सबसे बड़ी पॉलीफिल्म कंपनी है और इसमें कई कामगार फंसे हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सुयश अस्पताल भेजा गया है। इसावधानी से अन्य मजदूरों को निकालने का काम जारी है. नासिक नगर निगम के दमकल अधिकारियों ने कहा कि आग व्यापक रूप से फैल रही है। कंपनी के पास जिस तरह का कच्चा माल है उससे आग फैलती जा रही है। आग बुझाने में कुछ समय लग सकता है। आग लगने का कारणों का पता नहीं चल पाया है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे यूपी के अमेठी व रायबरेली जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता

- राहुल गांधी अमेठी लोकसभा सीट से तीन बार रह चुके हैं सांसद

अमेठी/रायबरेली ।(एजेंसी)

कांग्रेस नेता और अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने के वास्ते पार्टी के लगभग 1200 कार्यकर्ता दो जनवरी को अमेठी से लोनी कटरा के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस के जिला महामंत्री एवं प्रवक्ता अनिल सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यात्रा का हिस्सा बनने के लिए 400 कार्यकर्ता बसों के जरिए अमेठी से लोनी कटरा जाएंगे। वहीं भारी संख्या में कार्यकर्ता ट्रेन और निजी वाहनों के जरिए लोनी कटरा पहुंचेंगे। सिंह के अनुसार राहुल गांधी के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश की सीमा पर अमेठी के 1200 लोग 'भारत जोड़ो यात्रा' से जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी को दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक जबकि चार जनवरी को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक यात्रा में अमेठी के लोगों की भागीदारी रहेगी। वहीं पांच जनवरी को राहुल गांधी के निर्देशानुसार अमेठी के लोग अपने जिले में लौट जाएंगे। सिंह के अनुसार अमेठी के 25 लोग 26 जनवरी तक यात्रा का हिस्सा बने रहेंगे। इस यात्रा में शामिल होने के लिए जिले के 500 से अधिक कार्यकर्ता पंजीकरण करा चुके हैं। मालूम हो कि राहुल गांधी अमेठी लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रह चुके हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने राहुल से अमेठी सीट छीन ली थी। राहुल अभी केरल के वायनाड से सांसद हैं।

भारत और पाकिस्तान ने अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

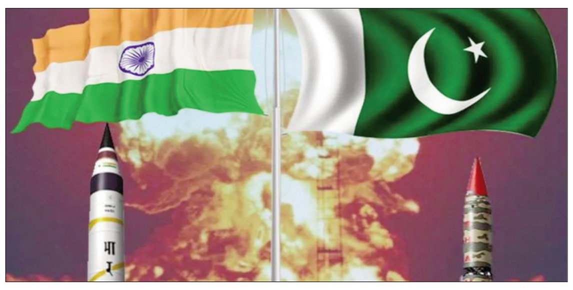

भारत और पाकिस्तान ने 32 सालों की परंपरा जारी रखकर एक द्विपक्षीय करार के तहत रविवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों के एक-दूसरे के परमाणु संस्थानों पर हमला करने पर प्रतिबंध है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों के खिलाफ हमलों पर पाबंदी के समझौते के प्रावधानों के तहत सूची का आदान-प्रदान किया गया। नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ राजनयिक माध्यमों से यह प्रक्रिया संपन्न हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा भारत और पाकिस्तान ने रविवार को नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ कूटनीतिक माध्यमों से परमाणु संस्थानों तथा केंद्रों की सूची का आदान-प्रदान किया। ये संस्थान भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों के खिलाफ हमले पर रोक से जुड़े समझौते के दायरे में आते हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि दोनों देशों ने रविवार को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया जिन पर युद्ध की स्थिति बनने पर भी हमला नहीं किया जा सकता। समझौते के तहत पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों की सूची रविवार को विदेश मंत्रालय में इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के एक प्रतिनिधि को आधिकारिक तौर पर सौंपी गई। विदेश कार्यालय के अनुसार इसी तरह भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक प्रतिनिधि को इस तरह की सूची सौंपी। समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को हस्ताक्षर किए गए थे और यह 27 जनवरी 1991 को प्रभाव में आया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि समझौते के तहत भारत और पाकिस्तान के लिए हर साल एक जनवरी को एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों और केंद्रों की जानकारी देना अनिवार्य है।

नोटबंदी के खिलाफ दायर 58 याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट 2016 में 1000 और 500 रुपये के नोटों को अमान्य करने के मोदी सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को फैसला आएगा। न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ 2 जनवरी को मामले पर अपना फैसला सुना सकती है। शीर्ष अदालत की सोमवार की वाद सूची के अनुसार इस मामले में दो अलग-अलग फैसले हो सकते हैं जो न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना द्वारा सुनाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 7 दिसंबर को केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया था कि वे सरकार के 2016 के फैसले से संबंधित रिकॉर्ड पर अपना फैसला सुरक्षित रख लें। इसने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि आरबीआई के वकील और याचिकाकर्ताओं के वकीलों वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम और श्याम दीवान की दलीलें सुनीं। 500 रुपये और 1000 रुपये के करेंसी नोटों को बंद करने को गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण बताते हुए चिदंबरम ने तर्क दिया था कि सरकार कानूनी निविदा से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को अपने दम पर शुरू नहीं कर सकती है जो केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर किया जा सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम मोदी ने नववर्ष पर देशवासियों को दी बधाई और शुभकामनाएं

-नववर्ष पर किसी ने मंदिर जाकर तो किसी ने गंगास्नान कर किया नए साल का स्वागत

नई दिल्ली । नए साल का आगाज होते ही लोग जश्न में डूब गए। 31 दिसंबर की पूरी रात लोगों ने पार्टी कर नए साल का जश्न मनाया और संगीत की धुन पर नाचते दिखाई दिए। सुबह–सुबह लोगों ने एक दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं दीं। बड़ी संख्या में लोगों मंदिरों में पूजा करके अपने नए साल की शुरुआत की। इस बीच राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पीएम नरेंद्र मोदी ने लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दी और उनके सफल और सुखमय जीवन की कामना की। वहीं नए साल के अवसर पर देश के हर कोने से आई तस्वीर में लोग मंदिरों में पूजा अर्चना करते दिखे। दिल्ली मुंबई और यूपी के मंदिरों में काफी भीड़ देखने को मिली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर और लोधी रोड में स्थित साईं मंदिर में ऐसा ही नजारा देखने को मिला। वाराणसी के अस्सी घाट पर अलग ही अंदाज में नए साल का स्वागत किया गया। घाट पर गंगा आरती के साथ लोगों के लिए शुभकामना मांगी गईं। घाट पर गंगा आरती देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। देश में बीती रात 12 बजे से ही लोग नए साल का जश्न मनाते और गानों पर झूमते दिखे। दिल्ली के कनॉट प्लेस के इनर सर्कल पर लोग एक दूसरे को गले लगाते दिखे तो कहीं गुब्बारे उड़ाकर नए साल का जश्न मनाया गया।

त्रिपुरा में अगले चुनाव में 92 फीसदी वोटिंग के लिए चुनाव आयोग ने तैयार किया 'मिशन 929'

अगरतला ।

निर्वाचन आयोग ने इस वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव में 92 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरे राज्य में 929 मतदान केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। एक अधिकारी ने बताया कि इन मतदान केंद्रों पर 2018 में 89 प्रतिशत से कम मतदान हुआ था। अधिकारी के अनुसार इन मतदान केंद्रों पर अपेक्षाकृत कम मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग ने 'मिशन-929' की शुरुआत की है। जागरुकता अभियान के अलावा चुनाव अधिकारी बुजुर्गों और दिव्यांगजनों से मुलाकात करेंगे तथा उनसे मतदान की अपील करेंगे। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों तथा दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा अलग कतार जैसी व्यवस्थाएं सभी मतदान केंदों पर की जाएंगी। अधिकारी ने कहा इसके अलावा विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे ताकि मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें। सभी हितधारकों के सम्मलित प्रयासों से आगामी चुनावों में 92 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करना संभव होगा।

पूरी दुनिया में फैल चुका है बौद्ध दर्शन का प्रभाव : दलाई लामा

बोधगया । (एजेंसी)

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने चीन में बौद्ध धर्म और उसके अनुयायियों के वर्षों तक हुए 'दमन और उत्पीड़न' के बाद देश में 'बौद्ध धर्म में बढ़ती दिलचस्पी' को रविवार को रेखांकित किया। दलाई लामा भगवान बुद्ध की ज्ञान स्थली बोधगया में अपने भक्तों को संबोधित कर रहे थे। लामाओं ने 87 वर्षीय आध्यात्मिक नेता की दीर्घायु के लिए यहां एक पारंपरिक प्रार्थना सभा का अयोजन किया था। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा ने कहा तिब्बत की बौद्ध परंपरा ने पश्चिम में लोगों का बहुत ध्यान आकर्षित किया है। अतीत में बौद्ध धर्म को एक एशियाई धर्म के रूप में जाना जाता था। लेकिन आज इसका दर्शन और अवधारणाएं विशेष रूप से मनोविज्ञान से संबंधित दर्शन और धारणाएं दुनियाभर में फैल चुकी हैं। कई वैज्ञानिक इस परंपरा में रुचि ले रहे हैं। उन्होंने कहा यह न केवल तिब्बत बल्कि चीन के लिए भी मायने रखता है। इसका सीधा असर चीन पर भी पड़ता है क्योंकि चीन एक बौद्ध देश रहा है लेकिन चीन में बौद्ध धर्म और बौद्धों का बहुत दमन और उत्पीड़न किया गया। तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने कहा मैं हमेशा एक बेहतर दुनिया की संभावना को लेकर आशान्वित रहा हूं। उन्होंने कहा तिब्बत जिसे बर्फ की भूमि भी कहा जाता है कई त्रासदियों से गुजरा है। लेकिन इसके अप्रत्यक्ष रूप से अच्छे नतीजे भी सामने आए। दुनियाभर के लोग अब तिब्बती बौद्ध परंपरा के बारे में जागरूक हो गए हैं। दलाई लामा को माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट क्रांति के एक दशक बाद 1959 में अपनी मातृभूमि को छोड़ना पड़ा था।

भारत में शरण मिलने के बाद वह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में बस गए जिसे बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थियों की मौजूदगी के कारण 'मिनी तिब्बत' के रूप में जाना जाता है।

राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन नहीं करने की शर्त पर गहलोत समर्थक विधायकों ने वापस लिए इस्तीफे

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान में सीएम गहलोत के समर्थक माने जाने वाले विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए हैं। विधायकों के तेवर और सुर बरकरार हैं। विधायकों ने कहा हमें आश्वस्त किया गया है कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। विधायकों ने इस्तीफा वापस लेते समय सीएम गहलोत की जमकर तारीफ कर संकेत दिए है कि नेतृत्व परिवर्तन किया तो कांग्रेस के लिए आत्मघाती होगा।

विधायक नगराज मीना ने कहा कि चुनावी साल में नेतृत्व परिवर्तन होता है तो इसका खामियाज पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि गहलोत समर्थक 90 विधायकों ने 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया था। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को इस्तीफे सौंप दिए थे। राज्य के नवनियुक्त प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के सुलह के बाद गहलोत समर्थक माने जाने वाले विधायक एक-एक करके शनिवार को स्पीकर सीपी जोशी के आवास पर पहुंचे और देर रात अपने इस्तीफे वापस ले लिए। माना जा रहा है कि गहलोत समर्थक विधायकों ने पार्टी आलाकमान मल्लिकार्जुन खड़गे के इशारे पर इस्तीफे नापस लिए लिए है। खड़गे ने विधायकों को नेतृत्व परिवर्तन नहीं करने का आश्वासन दिया है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने गहलोत समर्थक विधायकों को आश्वस्त किया है कि सीएम गहलोत ही बजट पेश करेंगे। बता दें राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 23 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान सीएम गहलोत बजट पेश करेंगे। पायलट समर्थकों का कहना था कि बजट को कोई तारीख नहीं आई है ऐसे में यह कहना गलत है कि सीएम गहलोत बजट पेश करेंगे। पायलट समर्थक माने जाने वाले विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने कहा था कि बजट पेश करना सीएम गहलोत का ख्याली पुलाव है। हालांकि उनके बयान के बाद शाम को ही विधानसभा आहूत करने की राज्यपाल कलराज मिश्र ने अनुमति प्रदान कर दी थी।

सीएम गहलोत के समर्थक माने जाने वाले विधायकों ने मीडिया से बात करते हुए इशारों में कहा कि नेतृत्व परिवर्तन का विरोध किया जाएगा। सीएम के सलाहकार डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि आलाकमान जो निर्णय लेगा वो हर किसी को मंजूर है। लेकिन उनके 35 साल के सियासी करियर में उन्होंने आज तक इतना काम होते कभी नहीं देखा जितना बीते 4 साल में हुआ है। कारण बताओ नोटिस पाने वाले राजस्थान के मुख्य सचेतक महेश जोशी ने साफ कहा कि 23 तारीख से शुरू होने जा रहे बजट को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पेश करेंगे। आज भी राजस्थान की जनता अशोक गहलोत को ही अपना नेता मानती है।

कांग्रेस विधायक नागराज मीणा ने तो बाकी नेताओं से एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि हमने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया था। अपनी मर्जी से ही इस्तीफा वापस ले रहे हैं लेकिन राजस्थान के सभी विधायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हैं और राजस्थान में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं हो रहा है। विधायक मेवाराम जैन ने कहा उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा वापस लिया है क्योंकि अब सब ठीक है। सीएम बदलने वाला मुद्दा भी खत्म हो गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अघोषित ड्रोन युद्ध

पाकिस्तान से लगती भारत की सीमा पर सुरक्षा बलों की चाक-चौबंद सुरक्षा के बावजूद पाक सत्ता प्रतिष्ठानों, आतंकियों व तस्करों द्वारा ड्रोन के जरिये अपने मंसूबे पूरे करने की साजिश को अंजाम दिया जा रहा है। आये दिन भारतीय सीमा में पाकिस्तानी ड्रोंस की हरकतें नजर आती हैं। इनमें से बड़ी संख्या में ड्रोन मार गिराये गये हैं और अरबों रुपये के नशीले पदार्थ और हथियार अब तक बरामद हो चुके हैं। विडंबना ये है कि भारतीय सीमा में कई काली भेड़ें इन भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। जो व्हाटसएप के जरिये लोकेशन हासिल कर ड्रोन से गिराये अवैध नशे और हथियारों को उठा ले जाते हैं। नशा तस्करों का अंतर्राष्ट्रीय जाल भारतीय संप्रभुता और सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। हाल ही में अमृतसर में पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया था और आरोपियों से एक ड्रोन भी बरामद हुआ। ये तस्कर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाते थे। जो ड्रोन इन आरोपियों से बरामद हुआ वह अमेरिका में बना परिष्कृत ड्रोन था, जिसकी कीमत बीस लाख रुपये बतायी गई है। जो लंबे समय तक चलने वाली बैटरी बैकअप तथा इन्फ्रारेड आधारित नाइट विजन कैमरा सहित उच्च कोटि की खासियत वाला ड्रोन था। बताते हैं कि गत एक माह में सीमा से बरामद यह छठा ड्रोन था, जो सबूत है कि पाकिस्तान से भारत विरोधी साजिशें किस स्तर पर संचालित की जा रही हैं। आए दिन बीएसएफ के जवानों की मुस्तैदी से कई ड्रोन मार गिराये जाते हैं और कई चकमा देकर फिर पाकिस्तान की सीमा में चले जाते हैं। इन गतिविधियों को देखकर लगता है कि यह काम सिर्फ नशा तस्करों का ही नहीं हो सकता। इसमें पाक सत्ता प्रतिष्ठानों व खुफिया एजेंसियों की भूमिका निश्चित रूप से हो सकती है। तभी भारतीय सीमा में भारी मात्रा में मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जाता है। दरअसल, कई बार उन लोगों की ओर भी संदेह की सुई घूमी है, जिनका काम लोगों को सुरक्षा मुहैया कराना होता है। भारतीय तस्कर और चरमपंथी भी इन गतिविधियों को अंजाम देते हैं। जिन्हें पाक में बैठे उनके आका लगातार संदेश भेजकर तस्करी को अंजाम देते हैं। इतना ही नहीं, कई बार कोहरे का फायदा उठाकर भी ड्रोन भारतीय सीमा में दाखिल हो जाते हैं। पिछले दिनों ऐसे मामले भी प्रकाश में आये जब ड्रोनों की लाइट बंद करके सुरक्षा बलों की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की गई। पंजाब से लगातार बरामद हो रहीं नशीले पदार्थों व अवैध हथियारों की खेप बताती हैं कि यह साजिश किस पैमाने पर चल रही है। दरअसल, पाकिस्तान से भेजे जा रहे अधिकांश ड्रोन चीन निर्मित बताये जाते हैं। वहीं केंद्र सरकार द्वारा अक्तूबर, 2012 में सीमा सुरक्षा बल का अधिकार क्षेत्र पंद्रह किलोमीटर से बढ़ाकर पचास किलोमीटर करने के बाद तरनतारन और अमृतसर सीमा पर सात के करीब ड्रोन बरामद किये जा चुके हैं। जिससे पता चलता है कि पाक से भारत को अस्थिर करने की साजिशें किस स्तर पर चल रही हैं। गुरदासपुर सेक्टर में इस मौसम में दो दर्जन से अधिक बार पाक से आये ड्रोनों की संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। वहीं दूसरी ओर, जम्मू कश्मीर में भारत - पाक सरहद में बीएसएफ ने पच्चीस से ज्यादा ड्रोन मार गिराये हैं। साथ ही बड़ी संख्या में नशे की खेप, अवैध हथियार तथा नकली करेंसी भी बरामद की गई है। इसके बावजूद पाक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ऐसे में सीमा पर ड्रोन पर निगरानी रखने वाली आधुनिक तकनीक तथा चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही है ताकि विषम परिस्थितियों वाले मौसम में ड्रोनों की घुसपैठ को रोका जा सके। हालांकि, फिलहाल बीएसएफ के पास बहुत-सी टेक्नीक और आधुनिक साधन मौजूद हैं,लेकिन इन्हें अधिक उन्नत बनाये जाने की आवश्यकता है।

आतंकवाद पर पश्चिम के दोहरे मानदंड

आतंकवाद-रोध का महत्व भारत के लिए कितना है, इसका पता इससे चलता है कि विदेशमंत्री एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करने स्वयं न्यूयॉर्क पहुंचे, जिसकी विषयवस्तु थी, 'अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को आतंकवादी हमलों से खतरा'। उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों को इस बैठक में आने का निमंत्रण दिया - जाहिर है इसके लिए अपने समकक्षों को आमंत्रण भेजा होगा। आयरलैंड से प्रतिनिधि के तौर पर विदेशमंत्री शामिल हुए, लेकिन ब्रिटेन समेत अन्य सदस्य देशों की ओर से कनिष्ठ मंत्री या वरिष्ठ अफसर स्तर के प्रतिनिधि ही आए।

विवेक काटजू

पिछले दिनों भारत की पहल पर आतंकवाद को लेकर बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका के विदेश मामलों की उप-विदेश मंत्री विक्टोरिया नूलैंड ने कहा, 'पिछले साल विश्वभर में लगभग 65 देशों को 8000 से ज्यादा आतंकी घटनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनमें 23000 से अधिक लोग मारे गए...।' परेशान करने वाला उक्त आंकड़ा आज के वक्त की तल्ख हकीकत है और चूंकि भारत खुद पिछले तीन दशकों से सीमा-पारीय आतंकवाद से पीड़ित है इसलिए यह एकदम स्वाभाविक था कि संयुक्त राष्ट्र परिषद की अपनी दो-वर्षीय अध्यक्षता, जो कि इस माह के अंत में खत्म हो जाएगी, आतंकवाद-रोध को महत्वपूर्ण विषयवस्तु बनाता। आतंकवाद-रोध का महत्व भारत के लिए कितना है, इसका पता इससे चलता है कि विदेशमंत्री एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करने स्वयं न्यूयॉर्क पहुंचे, जिसकी विषयवस्तु थी, 'अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को आतंकवादी हमलों से खतरा'। उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों को इस बैठक में आने का निमंत्रण दिया - जाहिर है इसके लिए अपने समकक्षों को आमंत्रण भेजा होगा। आयरलैंड से प्रतिनिधि के तौर पर विदेशमंत्री शामिल हुए, लेकिन ब्रिटेन समेत अन्य सदस्य देशों की ओर से कनिष्ठ मंत्री या वरिष्ठ अफसर स्तर के प्रतिनिधि ही आए। जयशंकर के आमंत्रण को मिली इस ठंडी प्रतिक्रिया के पीछे संकेत था कि भले ही तमाम मुख्य शक्तियां आतंकवाद निर्मूलन को महत्व देती हैं लेकिन अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा पर उनकी बड़ी चिंताएं और ध्यान अब अन्य मुद्दों की तरफ है। नतीजतन, इन शक्तियों के सुरक्षा संबंधी गणित में आतंकवाद की अहमियत अब उतनी नहीं रही। अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा 'आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के अस्तित्व के लिए एक खतरा है। यह सीमाओं, राष्ट्रीयता या कौम से बंधा हुआ नहीं है और एक ऐसी चुनौती है जिससे लड़ने के लिए सारी अतंर्राष्ट्रीय बिरादरी का इकट्ठा होना जरूरी है।' परंतु, अफसोस कि परिषद द्वारा जारी अध्यक्षीय वक्तव्य, जिसकी प्रक्रिया भारत द्वारा 29 नवम्बर को शुरू की गई थी (और जिसकी राह आसान नहीं रही), में ऐसे अवयव डाले गए जो भारत की नीति पर किंतु-परंतु दर्शाते हैं और इन दिनों आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को नियंत्रित कर रहे हैं। आतंकवाद को बड़ा खतरा मानने के महत्व को किस तरह कमतर किया गया इसका एक स्पष्ट उदाहरण जारी हुए अध्यक्षीय वक्तव्य में मिलता है, इसमें जयशंकर के इस कथन को यथावत रखना कि 'आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के अस्तित्व के लिए एक खतरा है', इसकी बजाय यह लिखा गया 'आतंकवाद अतंर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को दरपेश गंभीर खतरों में एक है।' साथ ही, जहां जयशंकर आतंकवाद से इकट्ठा होकर लड़ने के लिए वैश्विक बिरादरी का आह्वान करते हैं, वहीं दुखद सच्चाई यह है कि सभी देश इस पर अलग-अलग रुख अपनाए हुए हैं। एक वैचारिक स्तर पर भारत ने कभी भी आतंकवाद के मूल कारणों की तह में जाना नहीं चाहा क्योंकि यकीन था कि यह ऐसी रपटीली ढलान है जो आतंकवाद को न्यायोचित ठहराने की ओर ले जाएगी। साफ है ज्यादा से ज्यादा देशों की सहानुभूति 'मूल कारण' के निदान से जोड़ने की जरूरत पर दिखाई दे रही है। यह बात आयरिश विदेशमंत्री सायमन कॉवेंट्री के वक्तव्य में झलकती है : 'आतंकवाद से निपटने का सबसे प्रभावशाली तरीका सर्वप्रथम रोकथाम करने में है ...हम जानते हैं कि टकराव, गरीबी, असमानता, घटिया प्रशासन और मानवाधिकार हनन से पीड़ित समाजों में कट्टरवाद की ओर झुकाव होने और (आतंकवादी गुटों में) भरती के मौके ज्यादा बनते हैं।' परिषद द्वारा जारी अध्यक्षीय भाषण इस 'अखाड़े' में सीधा नहीं उतर रहा बल्कि इसका ज्यादा जोर मानवीय कानूनों का पालन और 'सरकार एवं जुड़ा हुआ समाज' वाला रुख अपनाने की जरूरत पर है। इसलिए, अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को यकीन है कि आतंकवाद को अकेले ताकत के बल पर खत्म नहीं किया जा सकता; इस चुनौती से निपटने को मानवाधिकार और न्याय एवं आर्थिक-सामाजिक से जुड़े विषयों को ध्यान में रखना जरूरी है। भारत के लिए यहां गौर करना व्यावहारिक होगा कि आतंकवाद को लेकर अंतर्राष्ट्रीय सोच में पिछले दो दशकों में कैसा बदलाव आया है। सुखद है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को मुहैया होने वाला धन, हथियार और मुक्त आवागमन को रोकने की जरूरत पर बल अभी भी इस अध्यक्षीय भाषण का हिस्सा है। पश्चिमी जगत की सोच में ऐसा परिवर्तन होना, बिना शक इस निश्चिंतता का परिणाम है कि वे अपने हितों पर संभावित बड़े आतंकी हमलों की रोकथाम की क्षमता रखते हैं। 9/11 के आतंकी हमले के तुरंत बाद, पश्चिमी जगत ने खुद उन मानवाधिकारों की जरा परवाह न की, जिस पर अमल करना अब आतंकवाद की रोकथाम में आवश्यक पहलू जोड़कर बता रहे हैं। अपनी बारी पश्चिमी देशों ने आतंकवाद को कुचलने में जमकर बल प्रयोग किया और इस प्रक्रिया में सामूहिक विध्वंस में मारे गए बेकसूर के इल्जाम तक को खारिज किया। यह दृश्य अफगानिस्तान में नग्न सच्चाई बनकर दिखा। यह बताता है अंतर्राष्ट्रीय तंत्र के दिल में पक्षपात किस कदर व्याप्त है, जब मामला अपने राष्ट्रीय हितों का हो तब मुख्य शक्तियां खुद उस पर अमल नहीं करती, जिसकी नसीहत दूसरों को देती हैं। सुरक्षा परिषद द्वारा जारी अध्यक्षीय भाषण का एक और पहलू है, जो भारत की स्थिति में आए बदलाव को दर्शाता है। 9 दिसम्बर को परिषद ने प्रस्ताव संख्या 2664 को 14-0 मत से पारित किया, अनुपस्थिति चुनने वालों में एकमात्र भारत था। संयुक्त राष्ट्र विज्ञप्ति के मुताबिक, यह प्रस्ताव सुनिश्चित करता है 'मानवीय सहायता हेतु प्रावधान, प्रक्रिया या धन, अन्य वित्तीय सरमाया या वित्तीय स्रोत या मानवेत्तर सहायतार्थ आवश्यक वस्तुएं और सेवाओं का प्रावधान या फिर अन्य ऐसी गतिविधियों से मदद करना जो मूल मानवीय जरूरतों की पूर्ति करती हों, इनको इज़ाजत है, ऐसा करना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अथवा प्रतिबंध कमेटी द्वारा लगाए प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। अतएव आगे से इस किस्म के मामलों में विषय-वस्तु के आधार पर विचार किया जाएगा। अब इस परिषद ने एक सामान्य तंत्र बनाया है ताकि आतंकवादी संगठनों अथवा सरकारों पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण आम आदमी को कष्ट न सहना पड़े।' इस पर भारत की असहमति उपजना इस तथ्य के मद्देनजर है कि इस किस्म की रियायतें ज्यादातर आतंकवादी गुटों या उन संगठनों की मदद करती हैं जिनका रूप वे धर लेते हैं, जैसा कि पाकिस्तान सरीखी आधिकारिक मदद से अक्सर होता पाया गया। हालांकि अध्यक्षीय भाषण प्रस्ताव की 'पुनः ताइद' करता है और ध्यान दिलाता है कि सदस्य देश 'आतंकवादी गतिविधियों को मुहैया धन रोकने की खातिर अपनाए तरीके अमल में लाते वक्त इस संभावना का ध्यान रखें कि इनका असर विशुद्ध मानवीय गतिविधियों पर न पड़ने पाए।

आज का राशीफल

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड सकता है।

बहुपयोगी संसाधन रेत के बड़े संकट की आहट

निर्देश निधि

विश्व भर में पर्यावरण सम्बन्धी मंडराते तमाम संकटों में एक नया संकट और भी है जिसकी ओर मनुष्य उतनी गम्भीरता से विचार नहीं कर रहा है। वह ये कि आने वाले समय में विश्व में रेत की कमी पड़ने वाली है जिसके कारण विश्व में बड़ा संकट गहराने वाला है। मनुष्य निरंतर निर्माण प्रक्रिया में रत है। उसे रहने के लिए घर के साथ-साथ सड़कें और दूसरे कई निर्माणों की आवश्यकता होती है। विश्व भर में कोई भी निर्माण रेत के बिना संभव नहीं है। कंक्रीट के निर्माण से लेकर कांच की दीवारों, कांच के बर्तनों, कम्प्यूटर के कलपुर्ज़ों, स्मार्ट फ़ोन, टूथपेस्ट, सौंदर्य प्रसाधन, काग़ज़, पेंट, टायर आदि तक, एक अंतहीन सूची है, जिन वस्तुओं के निर्माण में रेत का प्रयोग किया जाता है। यही कारण है कि मनुष्य रेत का अत्यधिक दोहन कर रहा है। अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी रेत की खपत दिनोदिन बढ़ रही है फिर विकासशील या पिछड़े देशों में निर्माण कार्य के लिए इसकी कितनी आवश्यकता होगी और इसका कितना दोहन किया जा रहा होगा, अंदाजा लगाया जाना मुश्किल नहीं है। भारत सहित विभिन्न देशों में तेज़ी से शहरीकरण के चलते रेत की मांग बहुत अधिक है । वैसे तो विश्व में रेत की कोई कमी नहीं है। कई रेगिस्तान हैं, जहां रेत का विपुल भंडार है। परंतु रेगिस्तानों की रेत को निर्माण कार्य में प्रयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि हवा के घर्षण के कारण वह इतनी गोल हो जाती है कि उसके दो कणों का आपस में जुड़ पाना संभव नहीं। समुद्र की रेत भी लवणीय होती है जो निर्माण कार्य के लिए आदर्श नहीं है हालांकि कुछ निर्माणों में इसका प्रयोग किया जाता है। दरअसल, निर्माण प्रक्रिया में प्रयोग करने के लिए रेत के कणों का एक विशेष साइज़ होता है। यह साइज़ 0.06 मिलीमीटर से लेकर 2 मिलीमीटर तक का होना चाहिए। इससे मोटे या इससे बारीक रेत से न तो कंक्रीट ही बनाई जा सकती है और न ही किसी अन्य निर्माण कार्य में इसका प्रयोग किया जा सकता है। इस साइज़ के अतिरिक्त किसी साइज़ के रेत को सीमेंट में मिलाते हैं तो सीमेंट पकड़ नहीं पाता है। राहत की बात है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा रेत के संकट को समझ लिया गया है। उसके द्वारा इसके संरक्षण को ग्लोबल चिंता में सम्मिलित किया गया है। संभव है स्थिति में कुछ सुधार आ पाए। रेत, जल के बाद दूसरा सबसे अधिक दोहन किया जाने वाला पदार्थ है। हालांकि जल की समस्या हम वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटों के माध्यम से सॉल्व करने का प्रयास कर भी सकते हैं परंतु रेत बनाने की कोई त्वरित रासायनिक प्रक्रिया खोजने के लिए अभी बहुत संघर्ष करना है। हालांकि चट्टानों को तोड़ कर उनसे रेत या एम-सैंड बनाया जाता है, परंतु यह प्रक्रिया भी काफ़ी कठिन है। यह रेत नदियों, झीलों आदि से दोहन किये जाने वाले रेत का मुख्य विकल्प है। परंतु यदि भारी मात्रा में चट्टानों को तोड़कर रेत बनाया जाता रहा तो भी उनके टूट जाने से प्रकृति का संतुलन गड़बड़ा जाने की आशंका खड़ी हुई है। अफ़सोस है रेत के अंधाधुंध खनन या दोहन पर अभी तक विश्व की सरकारों या नागरिकों का बहुत अधिक ध्यान नहीं जा सका है और रेत खनन को छोटा-मोटा अपराध मान कर अनदेखा किया जाता रहा है। रेत माफ़िया निर्ममता से नदियों की रेत निकालते हैं। रेत नदियों, झीलों और समुद्र आदि के पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यक संपदा है। रेत नदियों के जल प्रवाह, जल के शुद्धीकरण और उनके स्वास्थ्य के लिए कार्य करता है। भूजल के पुनर्भरण के लिए भी अहम है। यदि हम नदियों को रेत से रिक्त कर देंगे तो उनकी जैविक क्रियाएं भी मर जाएंगी। बेतहाशा रेत खनन के कारण विश्व की हज़ारों छोटी नदियां मर चुकी हैं क्योंकि रेत न होने के कारण उनका विशाल नदियों तक जाने का रास्ता ही नहीं बचा। यदि नदियां मरीं तो उनके भीतर पनपते जीव-जंतु और वनस्पतियां भी विनाश की कगार पर पहुंच जाएंगे। रेत को कृत्रिम रूप से बनाने की प्रक्रिया बहुत कठिन है और प्राकृतिक रूप से उसे बनने में बहुत लम्बा समय लगता है। रेत का खनन मुख्यतः झीलों, नदियों व समुद्रों से करते हैं। खनन के चलते नदियां मरणासन्न हो जाती हैं। वहीं समुद्र भी इस खनन के दुष्परिणामों से जूझ रहा है। समुद्र के कई तट

वीरान और कई द्वीप विलुप्त हो गए हैं। भूवैज्ञानिक क्रिया-प्रक्रियाओं के विपरीत रेत का तेज़ी से दोहन हो रहा है। यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार यदि हमारा पूरा विकास, निर्माण प्रक्रिया पर निर्भर करता है जिसमें रेत की भूमिका मुख्य है, तो उसे एक राजनयिक, राजनैतिक सामग्री के रूप में पहचाना जाना चाहिए। यदि अभी भी उचित निर्णय ले लिया गया तो भी आने वाले कल रेत के अनियंत्रित दोहन के दुष्परिणामों से संसार और उसकी पारिस्थितिकी को कुछ तो सुरक्षित किया जा सकता है। रेत के प्राकृतिक निर्माण में लगने वाले समय के अनुपात में इसका दोहन बहुत अधिक रफ़्तार से किया जा रहा है। नदियों की रेत दुर्लभ होती जा रही है जो आगामी समय में रेत का बड़ा संकट बनकर सामने आने वाला है। सरकारों की चिंता इस संकट को लेकर बढ़ गई है। सिंगापुर रेत के संकट से जूझने वाला प्रमुख देश है। पिछले चार दशकों में उसने अपने क्षेत्रफल का लगभग 130 किलोमीटर तक विस्तार किया है, जिसके कारण उसे भारी मात्रा में रेत का आयात करना पड़ा। रेत को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर स्थापित कर देना प्रकृति में असंतुलन पैदा करता है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात, दुबई और सऊदी अरब जैसे देशों में अनेक ऊंची व भव्य इमारतों तथा सड़कों के निर्माण के लिए जिस रेत का प्रयोग किया गया है वह ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तटों से आयात की गई है। इससे ऑस्ट्रेलिया के कई समुद्र तट आज वीरान दिखाई देते हैं।

विचार मंथन

खेतिहर मजदूर हो रहे हैं बेरोजगारी के शिकार

(लेखक - सनत जैन/ईएमएस)

ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। भारत की कुल आबादी में 72 फ़ीसदी लोगों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत खेती और उससे जुड़े हुए उपक्रम है। पिछले कुछ वर्षों से खेती में कृषि उपकरणों एवं तकनीकी कौशल का उपयोग खेती में करने से ग्रामीण क्षेत्रों में खे तिहर मजदूरों की बेरोजगारी लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसे ग्रामीण सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। पिछले दो-तीन दशकों से कृषि क्षेत्र में कटाई जुताई बुआई इत्या दि के लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है। सैकड़ों मजदूरों का काम एक मशीन कुछ ही घंटे में कर देती है। खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद बीज और डीजल की कीमतें बढ़ने से किसानों के ऊपर भी आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। वही तकनीकी के माध्यम से वह किसी तरीके से अपनी जमीन को जोत पा रहे है और जमीन पर खेती कर पा रहे हैं। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकी उन्हें फायदा पहुंचा रही है। इसके बाद भी किसानों की हालत आर्थिक दृष्टि से खराब है। किसान कर्ज में है। उसे अपने उत्पाद का बाजार में सही मूल्य नहीं मिल रहा जि जिसके कारण किसान प रिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अब रोजगार का भी बड़ा संकट खड़ा होता जा रहा है। कृषि क्षेत्र में जो नवीन परिवर्तन आ रहे हैं। उसमें ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया खाद और दवाओं का छिड़काव होने लगा है। जिसके कारण कृषि कार्य में लगे हुए मजदूरों को अब मजदूरी भी नहीं मिल पा रही है। उन्नत कृषि और स्वच्छ पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए खेती के क्षेत्र में भारी परिवर्तन देखने को मिल रहे है। इसका सबसे बड़ा असर खेतिहर मजदूरों के ऊपर पड़ रहा है। तकनीकी का उपयोग बढ़ाकर खेती की लागत को घटाने और फसल का उत्पादन बढ़ाने की जद्दोजहद में किसान कोशिश कर रहा है। किसानों ने स्प्रिंकलर टपक पद्धति से सिंचाई नैनो यूरिया का उपयोग पाली हाउस ग्रीन हाउस हार्वेस्टर ट्रैक्टर कृषि के कई अन्य उपकरणों का उपयोग कर खेती की जा रही है। खेती का रकबा भी निरंतर बढ़ रहा है। इसके बाद भी ग्रामीण अंचलों में किसान और मजदूर दोनों ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। किसानों को उत्पाद की जो लागत आ रही है वह ज्यादा है। बाजार किसान को उसे अपनी फसल के कम दाम मिल रहे है। किसान के ऊपर कर्ज और ब्याज का बोझ बिजली की बढ़ती कीमतें कृषि उत्पाद को बाजार तक ले जाने के लिए परिवहन का बढ़ता खर्च और बेहतर बाजार नहीं मिलने से किसान कर्ज के बोझ से दबता जा रहा है। वहीं ग्रामीण अंचल में रहने वाले मजदूर परिवारों को भी अब किसानों के पास पर्याप्त काम नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण ग्रामीण अंचलों में मजदूरों के बीच बेरोजगारी बढ़ रही है। ग्रामीण अंचल के लिए आ र्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा स्त्रोत है। औद्यो गिक एवं स र्विस सेक्टर भी कृ षि उत्पाद एवं ग्रामीण बाजार से जुड़ा हुआ है। उपभोक्ता मांग सबसे ज्यादा ग्रामीण अंचलों से आती है। य दि ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था कर्ज बेरोजगारी एवं मंदी का शिकार होती है तो इसके भारी दुष्प रिणाम देखने को मिलेंगे। समय रहते सरकार ने इस दिशा में प्रयास नहीं किया तो

भारत की कुल आबादी का 72 फ़ीसदी हिस्सा जो कृषि आजीविका से जुड़ा हुआ है। भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाने वाला साबित होगा सरकार को ग्रामीण अर्थव्यवस्था मैं कृषि एवं रोजगार दोनों स्तर पर बड़े सोच समझकर निर्णय लेने की जरूरत है।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.35 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह 10 प्रमुख कंपनियों में आठ का बाजार पूंजीकरण 135794.06 करोड़ रुपए बढ़ गया। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) में सबसे अधिक बढ़त हुई। हिंदुस्तान यूनिलीवर और एयरटेल के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 35029.1 करोड़ रुपए बढ़कर 547257.19 करोड़ रुपए रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 31568.08 करोड़ रुपए बढ़कर 1723979.45 करोड़ रुपए अडानी एंटरप्राइजेज का बाजार पूंजीकरण 24898.33 करोड़ रुपए बढ़कर 439966.33 करोड़ रुपए एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 16535.08 करोड़ रुपए बढ़कर 907505.41 करोड़ रुपए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 11690.67 करोड़ रुपए बढ़कर 1192576.32 करोड़ रुपए आईसीआईसीआई बैंक 8221.94 करोड़ रुपए बढ़कर 621588.34 करोड़ रुपए इंफोसिस का मूल्यांकन 4692.01 करोड़ रुपए बढ़कर 634873.16 करोड़ रुपए एचडीएफसी का मूल्यांकन 3158.85 करोड़ रुपए बढ़कर 481437.47 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14121.05 करोड़ रुपए घटकर 601436.62 करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान फर्म रही इसके बाद टीसीएस एचडीएफसी बैंक इंफोसिस आईसीआईसीआई बैंक हिंदुस्तान यूनिलीवर भारतीय स्टेट बैंक एचडीएफसी भारती एयरटेल और अदानी एंटरप्राइजेज का स्थान रहा।

एस बैंक के शेयर ने फिर दिखाई मजबूती एक्सपर्ट्स ने कहा अभी जारी रहेगा बढ़ोतरी का सिलसिला

मुंबई ।

जबरदस्त बढ़त और तेज गिरावट के बाद अब एक बार फिर यस बैंक के शेयरों में तेजी का रूख दिखाई दे रहा है। प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज बैंक के शेयर इस हफ्ते करीब 18 फीसदी मजबूत हुए हैं। पिछले शुक्रवार को शेयर का भाव 17.45 रुपये के भाव पर था और अब यह 20.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। हालांकि अभी भी यह एक साल के रिकॉर्ड हाई 24.75 रुपये से करीब 17 फीसदी नीचे है। 30 दिसंबर को बीएसई पर यह 20.85 रुपये की ऊंचाई तक पहुंचा था लेकिन इसके बाद बाजार में आई बड़ी गिरावट के बाद यस बैंक का शेयर टूट गया। यस बैंक के शेयर 30 मार्च 2022 को 12.11 रुपये के भाव पर थे जो एक साल का रिकॉर्ड निचला स्तर था लेकिन इसके बाद यह स्टॉक दोगुना होकर 24.75 रुपये के भाव पर पहुंच गया। पिछले कुछ दिनों में यस बैंक के शेयर में आई तेजी के बाद मार्केट एक्सपर्ट्स इसमें निवेश रहने और नए इन्वेस्टमेंट की राय दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्केट एक्सपर्ट प्रकाश गाबा ने कहा कि यस बैंक के शेयरों में बढ़त का रुझान जारी रह सकता है इसलिए उन्होंने इस शेयर को लंबी अवधि तक रखने की सलाह दी है।

प्रीमियम पर छूट पाने लेने होंगे तीनों वैक्सीन के डोज!

नई दिल्ली । नई लाइफ हेल्थ या टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने वालों को यदि प्रीमियम पर छूट पाना हो तो उन्हें कोरोना वैक्सीन के तीनों डोज लेने होंगे क्योंकि आने वाले दिनों में इंश्योरेंस कंपनी इस प्रस्ताव पर विचार कर सकती हैं। दरअसल बीमा नियामक आईआरनडीएआई ने बीमाकर्ताओं से कहा है कि वे उन पॉलिसीधारकों को जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों के रेनेवल पर छूट देने पर विचार करें जिन्होंने कोविड-19 वैक्सीन के तीनों डोज लिए हैं।कोरोना महामारी के बाद बीमा कंपनियों ने लाइफ हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े नियमों कुछ बदलाव किए साथ ही सभी तरह के प्लान पर प्रीमियम भी बढ़ाया है. क्योंकि देश में महामारी के दौरान इंश्योरेंस कंपनियों को भारी संख्या में क्लेम मिलने से काफी नुकसान हुआ था।

एमजी मोटर की बिक्री दिसंबर में 53 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । एमजी मोटर इंडिया ने बताया कि दिसंबर 2022 में उसकी खुदरा बिक्री 53 प्रतिशत बढ़कर 3899 इकाई रही। कंपनी ने 2021 के इसी महीने में 2550 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि महामारी और लॉजिस्टिक बाधाओं की दोहरी चुनौतियों से उत्पादन प्रभावित हुआ है लेकिन आने वाले महीने में हालात बेहतर हो सकते हैं। एमजी मोटर ने कहा कि उसने देश में कई उद्योग साझेदारियों के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना जारी रखा है। इसके तहत जियोबीपी और बीपीसीएल के साथ चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 1300 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने एक ऋण पहुंच कार्यक्रम का आयोजन कर लगभग 1300 करोड़ रुपए मूल्य के कर्ज स्वीकृत किए हैं। बैंक ने एक बयान में कहा कि बैंक के कार्यकारी निदेशक आशीष पांडेय और महाप्रबंधक चित्रा दतार ने आवास शिक्षा एमएसएमई एवं कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के ये कर्ज वितरित किए। दिल्ली नोएडा और चंडीगढ़ के 200 से अधिक उपभोक्ताओं को ये कर्ज बांटे गए। कर्ज वितरण कार्यक्रम में पांडेय ने कहा कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकी को अपनाने की योजना बना रहा है।

दिसंबर में एफपीआई ने शेयर बाजार में 11119 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली । दिसंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 11119 करोड़ रुपए का निवेश किया। दुनिया के कुछ भागों में कोरोना संक्रमण के बावजूद यह लगातार दूसरा महीना था जिसमें शुद्ध आवक हुई। हालांकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) हाल के दिनों में सतर्क हो गए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुतो बिक नवंबर के महीने में एफपीआई द्वारा निवेश किए गए 36239 करोड़ रुपए की तुलना में दिसंबर में निवेश बहुत कम था। बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में कोविड के फिर से उभरने और अमेरिकी में मंदी की चिंता के बावजूद भारतीय इक्विटी बाजारों में एफपीआई दिसंबर में शुद्ध खरीदार बने रहे। इस दौरान कई निवेशकों ने भारतीय बाजारों में मुनाफावसूली भी की। एफपीआई ने कुल मिलाकर 2022 में भारतीय इक्विटी बाजारों से 1.21 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई आवक के लिहाज से यह सबसे खराब वर्ष था। इससे पहले तीन वर्षों में शुद्ध निवेश आया था।

सरकार मार्च 2024 तक जनऔषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाएगी

नई दिल्ली । सरकार मार्च 2024 तक प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्रों (पीएमबीजेके) की संख्या बढ़ाकर 10000 करने पर` विचार कर रही है। जनऔषधि केंद्रों के जरिये सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक पिछले आठ वर्षों में पीएमबीजेपी के जरिये लगभग 18000 करोड़ रुपए की बचत की गई है। सरकार ने देश भर के 766 जिलों में से 743 जिलों को शामिल करते हुए 9000 से अधिक केंद्रों को चालू किया है। पीएमबीजेके में ऐसी दवाओं को बेचा जाता है जिनकी कीमत ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक कम होती है। इन केंद्रों पर 1759 दवाएं और 280 सर्जरी उपकरण उपलब्ध हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग ने नवंबर 2008 में इन केंद्रों की शुरुआत की थी और पीएमबीजेपी ने दिसंबर 2017 में 3000 केंद्र खोलने का लक्ष्य हासिल किया था। मार्च 2020 में इन केंद्रों की संख्या बढ़कर 6000 हो गई। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष में केंद्रों की संख्या 8610 से बढ़कर अब 9000 हो गई है। सरकार ने देश भर के 766 में से 743 जिलों को शामिल करते हुए 9000 से अधिक केंद्रों के साथ पीएमबीजेपी की पहुंच को व्यापक बनाया है।

शेयर बाजार समीक्षाः वाहन बिक्री और कोरोना के रुख से तय होगी बाजार की चाल

कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक से भी बाजार की चाल प्रभा वित होगी

मुंबई ।

बीते सप्ताह 1.7 प्रतिशत की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह दिसंबर की वाहन बिक्री एवं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) आंकड़ा रूस-यूक्रेन तनाव कोरोना संक्रमण के प्रसार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख का असर रहेगा। विश्लेषकों के अनुसार बाजार में पिछले सप्ताह पिछले तीन सप्ताह की गिरावट पर ब्रेक लगा तथा सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। दुनिया भर में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने और रूस-यूक्रेन संकट के बीच निकट भविष्य में बाजार में अस्थिरता अधिक रहने की संभावना है। साथ ही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पेश होने वाला अंतिम बजट सत्र कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के परिणाम दिसंबर के वाहन बिक्री और जीएसटी के जारी होने वाले आंकड़ों की अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक भी अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। साथ ही एफआईआई के निवेश प्रवाह पर भी बाजार की नजर रहेगी। अगर घरेलू शेयर बाजार के पिछले पूरे साल के लेखा-जोखा पर नजर डालें तो कोरोना महामारी के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता के बीच केन्द्रीय बैंकों द्वारा महंगाई को काबू में करने के लिए ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सेंसेक्स और निफ्टी ने वर्ष 2022 में सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचने के साथ ही निवेशको को भी मालामाल किया है। सेंसेक्स और निफ्टी ने निवेशकों को वर्ष 2022 में चार फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। हालांकि यह रिटर्न चीन में फिर से कोरोना महामारी के तेजी से फैलने और इसका असर वैश्विक स्तर पर होने की वजह से दिसंबर के अंतिम दो सप्ताह में हुए उतार चढ़ाव से कुछ कम हो गया है। शेयर बाजार के लिहाज से

साल 2022 काफी बेहतर रहा है। इस साल में आखिरी कारोबारी दिन में जरूर शेयर बाजार लाल निशान में रहा। साल 2022 में सेंसेक्स और निफ्टी ने लोगों को बेहतर रिटर्न दिया है। इस साल सेंसेक्स ने 4.44 फीसदी और निफ्टी ने 4.32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस साल आखिरी छह महीनों में सेंसेक्स ने रफ्तार पकड़ी और एक के बाद एक कई रिकॉर्ड बनाए। इस साल सेंसेक्स 2586.92 अंक अर्थात 4.44 प्रतिशत की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। वहीं इससे पिछले साल सेंसेक्स ने 10502.49 अंक अर्थात 21.99 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दिखाई थी।

नया साल में बैंकिंग नियमों से लेकर इंश्योरेंस खरीदने तक कई नियम बदले

- बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए ग्राहकों को केवाईसी दस्तावेज अनिवार्य

नई दिल्ली ।

नया साल 2023 कई बदलावों को साथ लेकर आया है जिसका असर पूरे साल लोगों की जिंदगी पर देखने को मिलेगा। बैंकिंग नियमों से लेकर इंश्योरेंस खरीदने तक कई नियम बदल गए हैं। 1 जनवरी से बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए ग्राहकों को केवाईसी दस्तावेज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने होंगे। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण ने सभी तरह के लाइफ जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस की खरीद के लिए केवाईसी मानदंड अनिवार्य कर दिए हैं। अगर आप नये साल में नई इंश्योरेंस पॉलिसी लेने का मन बना रहे हैं तो आप केवाईसी दस्तावेज के साथ आवेदन करें। दरअसल अभी तक इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय केवाईसी दस्तावेजों को शेयर करना एक स्वैच्छिक विकल्प था लेकिन अब से बीमाकर्ताओं को ग्राहकों से केवाईसी दस्तावेज अनिवार्य रूप से लेने होंगे। बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा लागू किया गया यह नियम ग्राहकों के लिए फायदेमंद होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इसे क्लेम प्रोसेस तेज और ज्यादा आसान हो सकती है क्योंकि बीमाकर्ताओं के पास ग्राहकों की एक विस्तृत जानकारी होगी। वहीं बीमा कंपनियों के लिए केवाईसी डिटेल बीमा धारक के जोखिम मूल्यांकन और मूल्य निर्धारण की सटीकता में सुधार करने में मदद कर सकता है। साथ ही इससे फर्जी क्लेम की संभावना खत्म हो जाएगी और पॉलिसीहोल्डर्स के कानूनी उत्तराधिकारी को पेमेंट करना आसान होगा। इससे पहले सभी नॉन लाइफ या जनरल इंश्योरेंस खरीदने के लिए केवाईसी डॉक्यूमेंट अनिवार्य नहीं था। इंश्योरेंस के मामले में यदि क्लेम अमाउंट एक लाख रुपए से ज्यादा है ऐसे में ग्राहकों को अपना पैन नंबर और आधार

नंबर देना होता था। नई व्यवस्था में केवाईसी की इस प्रणाली को क्लेम की बजाय बीमा खरीदने के वक्त ट्रांसफर किया जा रहा है। अब नई इंश्योरेंस पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों के लिए केवाईसी नियम अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं जो मौजूदा ग्राहकों के लिए बीमा कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वो अपने कस्टमर की केवायसी पूरी कराएं। आपको इसकी जानकारी एसएमएस और ईमेल के जरिए मिलेगी।

निवेशकों की पूंजी पिछले वर्ष 16.38 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई । विश्व में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बाद भी घरेलू शेयर बाजारों ने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वर्ष 2022 में निवेशकों की पूंजी में 16.38 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो गई। विश्लेषकों ने इस अच्छे प्रदर्शन के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं खुदरा निवेशकों के भरोसे और विदेशी निवेशकों के फिर से खरीदारी करने जैसे कारकों को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि इन वजहों से ही भारतीय बाजारों ने वर्ष 2022 में दुनिया के अन्य बाजारों की तुलना में कहीं बेहतर प्रदर्शन दिखाया है। साल के शुरुआती हिस्से में बाजारों को रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने का तगड़ा आघात लगा। जब रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला बोला तो बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 2702.15 अंकों की भारी गिरावट के साथ धराशायी हो गया था। हालांकि उसके बाद के महीनों में सेंसेक्स ने अपनी खोई जमीन को फिर से पा लिया और तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद साल का समापन 2586.92 अंक की बढ़त के साथ किया।

नए साल के पहले दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर हुआ महंगा

मुंबई ।

नए साल के पहले दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में तेजी देखने को मिली है। यह तेजी 24 रुपए से लेकर 25.5 रुपए तक आई है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। वैसे बीते साल घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 4 बार इजाफा देखने को मिला था लेकिन जुलाई 2022 के बाद से कोई बदलाव नहीं आया है। दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 25 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और दाम 1769 रुपए हो गए हैं। कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 24 रुपए की तेजी देखने को मिली है और 1869.5 रुपए हो गए हैं। मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 25 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और दाम 1721 रुपए हो गए हैं। चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 25.5 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और दाम 1917 रुपए हो गए हैं। वहीं दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 1053 रुपए

कोलकाता में जुलाई से दाम 1079 रुपए मुंबई में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 1052.50 रुपए प्रति सिलेंडर और चेन्नई में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 1068.50 रुपए हैं।

नए साल में श्रीराम फाइनेंस ने एफडी पर ब्याज दर बढ़ाई

नई दिल्ली ।

नए साल में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर अच्छी कमाई का मौका है। श्रीराम ग्रुप के श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने एफडी की ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी कर दी है। श्रीराम फाइनेंस ने एफडी की ब्याज दरों में 5 से 30 बेसिक प्वाइंट की बढ़ोतरी कर दी है। यानी अब श्रीराम फाइनेंस में एफडी करवाने वालों को 0.30 फीसदी अधिक ब्याज मिलेगा। इस फैसले के बाद अब यहां एफडी पर 9.36 फीसदी की दर से ब्याज पा सकते हैं। श्रीराम फाइनेंस में एफडी करवाने वालों को बंपर ब्याज का तोहफा मिला है। नए साल के शुरूआत के साथ ही नई ब्याज दरें मिलने लगेगी। एफडी पर ब्याज में बढ़ोतरी के साथ सभी रिन्युअल पर 025 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज भी मिलेगा। श्रीराम फाइनेंस की ओर से एफडी की नई ब्याज दरों की जानकारी दी गई है जिसके मुताबिक कंपनी ने 12 महीने से लेकर 60 महीने तक की एफडी पर ब्याज दरों में बदलाव किया गया है। सामान्य ग्राहकों के मुकाबले वरिष्ठ नागरिकों को 0.50

फीसदी अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। वहीं महिलाएं यहां एफडी पर 0.10 फीसदी अतिरिक्त ब्याज पा सकती है। आप अगर 12 महीने के लिए एफडी करवाते हैं तो अब आपको 7 फीसदी के बजाए 7.30 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। वहीं 60 महीने के एफडी के ब्याज पर 0.15 फीसदी अधिक ब्याज मिलेगा। यानी अब आपको इस पर 8.45 फीसदी ब्याज मिलेगा।

पॉपुलर कार आई 20 का डीजल वेरिएंट होगा जल्द बंद

हुंडई कंपनी बंद कर रही इसका प्रोडक्शन

नई दिल्ली ।

ह्युंडई की एक पॉपुलर कार आई 20 के डीजल वेरिएंट को ह्युंडई बंद करने जा रही है। देश की सबसे पॉपुलर हैचबैक में से एक आई 20 का डीजल वेरिएंट मार्केट में सेल फिगर को देखते हुए तीसरे पायदान पर आता है। लेकिन अब इसके बंद होने के बाद कंपनी के पास इस सेगमेंट में कोई भी गाड़ी नहीं रहेगी।इस संबंध में कुछ समय पहले ह्युंडई की तरफ से आए आधिकारिक बयान में दो बातों का हवाला देकर आई 20 के डीजल वेरिएंट को बंद करने की बात कही गई थी। पहला कारण आई 20 का डीजल वेरिएंट बंद करने के पीछे सबसे बड़ा कारण सरकार की तरफ से एमिशन नॉर्म्स को सख्त करना है। बीएस6 स्टेज 2 को 1 अप्रैल 2023 से लागू किया जा रहा है। ऐसे में आई 20 के डीजल वेरिएंट को कंपनी बीएस 6 स्टेज टू के नॉर्म्स के अनुसार अपग्रेड नहीं कर रही है। कंपनी ने इसका प्रोडक्शन बंद कर दिया है और 31 मार्च 2023 के बाद कार की सेल भी बंद कर दी जाएगी।दूसरा कारण इस पॉपुलर हैचबैक को बंद करने के पीछे दूसरी बड़ी वजह है सप्लाई चेन की प्रॉब्लम।

आई 20 को नए एमिशन नॉर्म्स के हिसाब से अपडेट करना एक बड़ा काम है और सप्लाई चेन की लंबे समय से चल रही प्रॉब्लम्स इसको और रोक रही हैं। कंपनी के सामने वर्तमान की गाड़ियों के प्रोडक्शन में समस्या है और ऐसे में किसी पुराने इंजन को अपडेट करना एक बड़ा काम होगा।अब बड़ा सवाल ये है कि क्या आई 20 का नया वर्जन आने वाले समय में लॉन्च होगा? ऑटो एक्सपर्ट्स की मानें तो कंपनी जल्द ही इसके नए अवतार को मार्केट में पेश कर सकती है।

रॉयल इनफील्ड नए साल में देगी आरई की सौगात

650सीसी इंजन के साथ आ रही सुपर मेटयोर

नई दिल्ली ।

महंगी बाइक बनाने वाली जानी-मानी कंपनी रॉयल इनफील्ड सुपर मेटयोर 650 को पहली बार 2022 ईआईसीएमए में शोकेस किया गया था। यह देश में सबसे महंगी आरई पेशकश होगी। बाइक के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 3.5 लाख रुपये और टूरर वर्जन की कीमत 4 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) होने की उम्मीद है। इसके बाद गोवा में राइडर मेनिया में इसकी भारत में शुरुआत हुई।

मॉडल की कीमतों की घोषणा जनवरी के शुरुआती हफ्तों में की जाएगी। कंपनी ने पहले ही खुलासा कर दिया है कि आरई सुपर मेटयोर 650 स्टेंडर्ड वेरिएंट को दो कलर थीम- एस्ट्रल (ब्लू ब्लैक और ग्रीन) और इंटरस्टेलर (ग्रे और ग्रीन) में उपलब्ध कराया जाएगा। टूरर सेलेस्टियल (ब्लू और रेड) पेंट स्कीम में आएगी। यह तीसरा रॉयल इनफील्ड है जिसे ब्रांड के 650सीसी प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है लेकिन इसमें पूरी तरह से नए चेसिस हैं। क्रूजर मोटरसाइकिल को कई विशेषताओं के साथ पैक किया गया है जो आरई मॉडल के लिए सबसे पहले हैं। 5650 आरपीएम पर।

रॉयल इनफील्ड का दावा है कि क्रूजर के इंजन में मैपिंग और गियरिंग है और यह 2500आरपीएम पर 80 प्रतिशत पीक टॉर्क प्रदान करता है। रॉयल इनफील्ड सुपर मेटयोर 650 ब्रांड की सबसे भारी बाइक है जिसका वजन 241 किलोग्राम है।आगामी रॉयल एनफील्ड सुपर उल्का 650 मानक फिटमेंट के रूप में ट्रिपर नेविगेशन पॉड के साथ पूर्ण एलईडी हेडलैम्प और एक शोवा यूएसडी फोर्क सस्पेंशन के साथ आता है। स्टैंडर्ड वैरिएंट जो स्ट्रिप्ड डाउन वर्जन है में छोटी विंडस्क्रीन और पिलियन सीट है। दूसरी ओर टूरर में बड़ी विंडस्क्रीन और पिलियन पर्च है। इसमें बैक रेस्ट भी मिलता है जो स्टैंडर्ड वेरिएंट में नहीं है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की समीक्षा बैठक के बाद कहा, यो-यो टेस्ट और डेक्सा अब चयन मापदंड का हिस्सा होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में रविवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा बुलाई गई सीनियर टीम की समीक्षा बैठक से जो प्रमुख सिफारिशें आई हैं, उनमें यो-यो टेस्ट और डेक्सा अब चयन मापदंड का हिस्सा होंगे।

इसके अलावा, उभरते हुए खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन के योग्य होने के लिए पर्याप्त घरेलू सत्र खेलना होगा। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुषों के एफटीपी और आईसीसी वनडे 2023 विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए, एनसीए आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर आईपीएल 2023 में भाग लेने वाले लक्षित भारतीय खिलाड़ियों की निगरानी के लिए काम करेगा।

यह बैठक श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से पहले हुई है, जो 3 जनवरी से मुंबई में शुरू हो रही है। यह टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड द्वारा भारत को दस विकेट से हराने के बाद आयोजित होने की प्रक्रिया में था, जिसने 2013 के बाद से आईसीसी प्रतियोगिताओं में बेहतर नहीं किया है। 2013 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

बीसीसीआई ने यह भी कहा कि आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के रोडमैप के साथ बैठक के दौरान खिलाड़ी की उपलब्धता, कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस मापदंडों के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिसकी मेजबानी भारत वर्ष के अंत में करेगा। संयोग से, भारत का आखिरी वनडे विश्व कप खिताब 2011 में घर पर आया था।

बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, मानद सचिव जय शाह, कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़, क्रिकेट के प्रमुख (एनसीए) वीवीएस लक्ष्मण और वरिष्ठ पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने भाग लिया, जिनके पैनल को नवंबर में बर्खास्त कर दिया गया था।

आंद्रीस्कू ने एडिलेड इंटरनेशनल में मुगुरुजा को हराया

एडिलेड (एजेंसी)। कनाडा की बियांका आंद्रीस्कू ने रविवार को यहां एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा को एक संघर्षपूर्ण मैच में 0-6, 7-6 (3), 6-1 से हराया। अमेरिकी ओपन में 2019 की चैंपियन आंद्रीस्कू एक समय 0-6, 2-5 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और दो घंटे 12 मिनट तक चले मैच में जीत दर्ज की। आंद्रीस्कू ने इस जीत से मुगुरुजा के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 3-0 कर दिया। आंद्रीस्कू ने बाद में कहा,'' मैंने दूसरे सेट में अपनी रणनीति बदली। मैंने स्वयं से कहा जो कुछ भी हो जाए तुम्हें अपनी रणनीति पर अडिग रहना है।''

इस टूर्नामेंट में सभी की निगाहें पुरुष एकल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पर टिकी रहेंगी जो सोमवार को पहले दौर के मैच में फ्रांस के कॉन्स्टेंट लेस्टीन से भिड़ेंगे। जोकोविच को कोविड-19 का टीकाकरण नहीं कराने के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था। जोकोविच ने 2007 में 19 साल की उम्र में एडिलेड इंटरनेशनल का खिताब जीता था जो उनका तीसरा एटीपी टूर खिताब था।

आईसीसी : स्मृति मंधाना वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर नामांकित

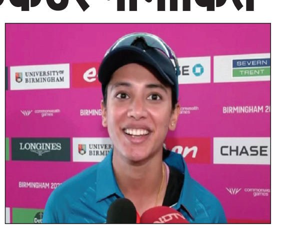

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। जाते साल के आखिरी दिन खबरों से भरपूर रहे। इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां का निधन, दुनियाभर में फुटबॉल के भगवान माने जाने महान पेले का निधन और सड़क दुर्घटना में ऋषभ पंत के घायल होने जैसी बड़ी खबरों के बीच खेल के पन्ने पर छपी एक कॉलम की खबर देखने में तो छोटी थी, पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के लिए बहुत बड़ी थी। दरअसल उन्हें एक बार फिर आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। कहने को यह नामांकन भर है और बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज के सामने दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों से बाजी मार लेने की चुनौती है।

आईसीसी ने 2022 के लिए 'वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड' के लिए कुल चार महिला खिलाड़ियों को नामांकित किया है। इनमें मंधाना के अलावा इंग्लैंड की ऑलराउंडर नैट सीवर, न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर और ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वैसे मंधाना के इस साल के प्रदर्शन को देखें तो उनके विजेता होने के आसार ज्यादा नजर आते हैं। मंधाना ने 2022 में भारत के लिए टी20 में 594 रन बनाए और उनसे ज्यादा रन दुनिया में किसी ने नहीं बनाए। इसी तरह एकदिवसीय क्रिकेट में 696 रन के साथ वह दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं।

स्मृति ने इस साल दो बड़े टूर्नामेंट- महिला वनडे वर्ल्ड कप और राष्ट्रमंडल खेलों में अपने बल्ले का जौहर दिखाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रारंभिक जीवन और शिक्षा की बात करें तो महाराष्ट्र के एक मारवाड़ी परिवार से ताल्लुक रखने वाली स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में श्रीनिवास और स्मिता मंधाना के यहां हुआ। स्मृति बहुत छोटी थीं, जब उनका परिवार सांगली जिले के माधवनगर में जाकर बस गया। उन्होंने अपने पिता और भाई को बहुत छुटपन से ही जिला स्तर पर क्रिकेट खेलते हुए देखा तब बैट, बॉल, विकेट, पैड और ग्लव्ज के साथ उनकी पहचान बहुत जल्दी हो गई। पहचान हो तो दोस्ती होते वक्त नहीं लगता।

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने दिया इस्तीफा, महिला कोच ने लगाए थे गंभीर आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के खेल मंत्री एवं हॉकी इंडिया के पूर्व कप्तान संदीप सिंह ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद रविवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सौंपा है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच रिपोर्ट आने तक वह अपना खेल विभाग मुख्यमंत्री को सौंपते हैं।

चंडीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता राम गोपाल के अनुसार शिकायत मिलने के बाद सेक्टर 26 थाने में शनिवार को सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354ए, 354बी, 342, 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि मंत्री ने उन्हें गलत इरादे से छुआ था। हरियाणा के खेल मंत्री ने अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद मुख्यमंत्री को इस्तीफा सौंपा। सिंह ने कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और सरासर झूठे हैं।

खेल मंत्री सिंह ने ट्वीट कर अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'उनकी छवि खराब करने के लिए माहौल बनाया गया। मैं चाहता हूं कि खेल विभाग की कोच ने उन पर जो झूठे आरोप लगाए हैं। मामले की पारदर्शी तरीके से जांच होनी चाहिए। जांच रिपोर्ट' आने तक वह अपना खेल विभाग मुख्यमंत्री को सौंपते हैं।' महिला कोच की शिकायत के बाद विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने श्री सिंह के खिलाफ दर्ज मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक बतौर एथलीट भाग ले चुकी एथलेटिक्स कोच का आरोप है कि सिंह ने उससे इंस्टाग्राम और स्नैपचैट पर संदेश भेजे तथा स्नैपचैट पर एक जुलाई को कॉल कर उसे कुछ दस्तावेजों के साथ चंडीगढ़ में सेक्टर सात स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाया। खेल मंत्री ने उससे कथित तौर पर छेड़छाड़ की। इस दौरान उसकी टी शर्ट फट गई और वह किसी तरह वहां से बच कर भागी। शिकायतकर्ता की सितंबर माह में ही खेल विभाग में जूनियर एथलेटिक्स कोच पद पर नियुक्ति हुई थी। इस बीच, हरियाणा के पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल ने महिला एथलेटिक्स कोच के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल गठित किया है। उधर, यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली महिला कोच ने आज अंबाला में गृह मंत्री अनिल विज से भी मुलाकात की।

ऑस्ट्रेलिया को पांच गेंदबाजों के साथ प्रयोग करना चाहिए, पूर्व क्रिकेटर की भारत दौरे से पहले सलाह

सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर चाहते हैं कि भारत दौरे से पहले पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम को बुधवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में पांच गेंदबाजों के साथ खेलने के विकल्प को भी आजमाना चाहिए। भारत दौरे पर बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में फरवरी-मार्च में चार टेस्ट खेले जाएंगे। सिडनी में अंतिम टेस्ट से पहले मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनायी हुई है जिससे उनके पास कुछ अन्य विकल्प आजमाने का मौका हो सकता है। टेलर ने कहा, 'उनके पास सिडनी में कुछ चीजें आजमाने का मौका है। मैं जानता हूं कि लोग कहते हैं कि आपको टेस्ट मैचों में नयी चीजें नहीं आजमानी चाहिए लेकिन कैमरून ग्रीन नहीं खेल रहा है तो मैं वास्तव में एलेक्स कैरी को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहूंगा और आस्ट्रेलिया को पांच गेंदबाजों को चुनना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'वे गेंद से दबदबा बना सकते हैं और अपने शीर्ष पांच बल्लेबाजों पर निर्भर रह सकते हैं और कैरी भी टेस्ट मैच जीतने के लिये काफी रन बनाए।' मेलबर्न में बड़ी जीत के दौरान मिशेल स्टार्क और ग्रीन की चोटों के कारण आस्ट्रेलिया ने टीम में मैथ्यू रेनशॉ और एशटन एगर को शामिल किया है। टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास जो गेंदबाजी विकल्प हैं, जो भी तेज गेंदबाज खेलें, आपके पास 20 विकेट झटकने के लिये काफी गेंदबाज होने चाहिए। दक्षिण अफ्रीका ने मेलबर्न में अंतिम पारी में केवल 200 रन बनाए तो उनकी बल्लेबाजी इस समय कमजोर है।'

जोफा आर्चर ने मैदान पर वापसी की घोषणा की, कहा- मैं तैयार हूं 2023

लंदन। कोहनी और पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण पिछले लंबे समय से बाहर रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर वर्ष 2023 में मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। आर्चर ने ट्विटर पर अपनी वापसी की घोषणा करते हुए कहा, 'धन्यवाद 2022, मैं तैयार हूं 2023।' इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस ने आर्चर को 8 करोड़ रुपए में खरीदा था लेकिन चोटिल होने के कारण वह पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे। पांच बार का आईपीएल चैंपियन मुंबई अब जसप्रीत बुमराह के साथ उनकी खतरनाक जोड़ी तैयार करने की उम्मीद कर सकता है। मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीकी लीग में अपनी फ्रेंचाइजी केपटाउन के लिए भी आर्चर को अनुबंधित किया है।

ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट : सीएम ने बताई हादसे की असल वजह, झपकी नहीं इस कारण हुई दुर्घटना

स्पोट्र्स डेस्क ।भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत 30 दिसम्बर 2022 को सड़क हादसे का शिकार हो गए और बुरी तरह से जख्मी हो गए।दिल्ली से रूड़की जाते वक्त सुबह करीब 5 बजे उनकी मर्सिडीज कार डिवाइडर से टकरा गई जिसके बाद कार में आग लग गई।हालांकि वह कार का शीशा तोड़ बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे उन्हें चोटें तो आई लेकिन जान बच गई।वहीं पंत ने एक्सीडेंट के बाद एक बयान में कहा था कि उनकी आंख लग गई थी जिस कारण हादसा हुआ। वहीं इस मामले पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि हादसा रास्ते में गड्ढा आने की वजह से हुआ है।

धामी ने कहा, हादसा रास्ते में गड्ढे की वजह से हुआ।गड्ढे से बचने के चक्कर में पंत की कार डिवाइडर से टकरा गई। धामी रविवार को पंत से मुलाकात करने अस्पताल में पहुंचे थे जिसके बाद उन्होंने कहा, 'फिलहाल पंत का इलाज मैक्स में ही चल रहा है, बीसीसीआई के डॉक्टर और मैक्स के डॉक्टर संपर्क में हैं।इससे पहले धामी ने पंत के इलाज का राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने की घोषणा की थी। **'मौत का स्थान बन चुका है'**

जहां पंत की कार का एक्सीडेंट हुआ वहां आस–पास रहने वाले और काम करने वाले लोगों का कहना है कि सड़क पर गड्ढों के कारण अक्सर एक्सीडेंट होते हैं। इसकी शिकायत भी की है।स्थानीय लोगों ने कहा, मौत का स्थान बन चुका है, जहां पर सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।हालांकि पंत के एक्सीडेंट के बाद गड्ढों को रातोरात भर दिया गया है।गौर हो कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सूत्रों की मानें तो पंत आस्ट्रेलिया के खिलाफचार टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। फ्लिहाल उनकी वापसी पर संदेह बना हुआ है क्योंकि पंत को ठीक होने में काफी समय लगेगा जिसके बाद उन्हें फ्टिनेस टेस्ट से भी गुजरना होगा।पंत के एक्सीडेंट के बाद नई चयन समिति के लिए बॉर्डर गावस्कर ट्राफी के लिए 2 विकेटकीपर बल्लेबाजों का चयन सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा।

पाकिस्तान के लिए बुरी रही 2023 की शुरूआत, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से हुआ बाहर

स्पोट्र्स डेस्क (एजेंसी)। इस साल होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से पाकिस्तान की टीम बाहर हो गई है, इसकी पुष्टि आईसीसी ने की है। आईसीसी द्वारा जारी टेस्ट रैंकिंग में पाकिस्तान के पास 38.46 प्रतिशत अंक है और वह सांतवे स्थान पर मौजूद है। अगर पाकिस्तान अपने अगले सारे टेस्ट मैच भी जीत लेता है तो उसके पास 42.85 प्रतिशत अंक होंगे, जिसके बावजूद भी वह टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाएगा।

पाकिस्तान के अलावा न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड 26.67 अंक प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश 11.11 अंक प्रतिशत के साथ नौवे स्थान पर है।

वहीं, इस रैंकिंग में 78.57 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर काबिज है और उसका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहुंचना लगभग तय है। विश्व टेस्ट रैंकिंग में दूसरा फाइनलिस्ट बनने के लिए भारत, श्रीलंका, दक्षिण-अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडिज में टक्कर है। हालांकि, भारत की स्थिति काफी मजबूत है। भारतीय टीम 58.93 अंको के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। भारत को टेस्ट चैंपियनशिप से पहले ऑस्ट्रेलिया के साथ घर में ही चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारत अगर इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करता है तो भारत के फाइनल में पहुंचने की स्थिति मजबूत हो जाएगी।

अंक तालिका में श्रीलंका तीसरे, दक्षिण-अफ्रीका चौथे, इंग्लैंड पांचवे और वेस्टइंडिज छठे स्थान पर मौजूद है।

'साल का अंत मैं कभी नहीं भूलूंगा' : मेसी ने परिवार–समर्थकों के लिए लिखा भावनात्मक नोट

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने अपने फ्अद्भुत परिवारफ् (फैंस) और दोस्तों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया है और नए साल की शुभकामनाएं दी है। फीफा विश्व कप के फाइनल में हुए रोमांचक मुकाबले में मेसी ने फ्रांस के खिलाफ पेनल्टी में 4–2 से जीत दर्ज करते हुए अर्जेंटीना को खिताब दिलाया। 35 वर्षीय मेसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इसे अद्भुत परिवार और दोस्तों के साथ साझा करें, जो सबसे अच्छा हो सकता है जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया और हर बार जब मैं गिर गया तो मुझे फर्श पर नहीं रहने दिया।

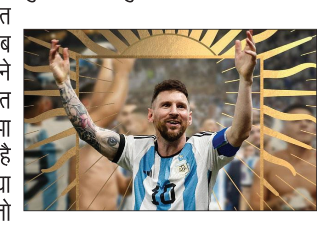

मेस्सी ने अपने समर्थकों, विशेष रूप से अर्जेंटीना, पेरिस और बार्सिलोना में उनका अनुसरण करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों के लिए भी एक विशेष स्मृति रखना चाहता हूं जो मेरा अनुसरण करते हैं और मेरे साथ संग्रह करते हैं, इस पथ को आप सभी के साथ साझा करने में सक्षम होना आश्चर्यजनक है।यह वहां पहुंचना असंभव होगा जहां मैं इतने अधिक प्रोत्साहन के बिना आया था कि मुझे अपने देश के सभी लोगों के साथ–साथ पेरिस, बार्सिलोना और कई अन्य शहरों और देशों से प्राप्त हुआ है, जहां से मुझे प्यार मिल रहा है।मेसी ने अंत में कहा, मुझे आशा है कि यह वर्ष भी सभी के लिए अद्भुत होगा और मैं आप सभी को शुभकामना देता हूं 2023 में खुश और स्वास्थ्य रहने के लिए।सभी को एक बहुत बड़ा हग!

वनडे विश्व कप में वेस्टइंडीज पर जीत शानदार थी: बिस्माह मारूफ

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बिस्माह मारूफ का मानना है कि महिला वनडे विश्व कप 2022 में वेस्टइंडीज पर उनकी टीम की जीत शानदार थी।

पाकिस्तान की महिला टीम ने 32 अंतरराष्ट्रीय मैचों (13 वनडे और 19 टी20) में भाग लिया और महिला वनडे विश्व कप, बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी20 प्रतियोगिता और महिला टी20 एशिया कप में भाग लिया, इसके अलावा व्हाइट-बॉल मैचों के लिए घर पर श्रीलंका और आयरलैंड की मेजबानी की। हेमिल्टन के सेडॉन पार्क में एकदिवसीय विश्व कप के उस मैच में, अनुभवी आफ स्पिन आलराउंडर निदा डार ने चार विकेट चटकाए, पाकिस्तान ने बारिश से बाधित 20 ओवर प्रति साइड मैच में वेस्टइंडीज पर आठ विकेट से जीत के साथ विश्व कप में 13 साल के लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया। पीसीबी पॉडकास्ट के एक विशेष संस्करण में, हमारे विश्व कप अभियान (2022 में) का मुख्य आकर्षण वेस्ट इंडीज पर जीत थी, जो कि 13 साल में हमारी पहली जीत थी। हमने

श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ घर में आगे बढ़ने के लिए छह में से पांच वनडे जीते। आईसीसी महिला चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर, जबकि हमने 2014 के बाद पहली बार सिलहट में भारत को हराया, हालांकि हम सेमीफाइनल में श्रीलंका से एक रन से हारने के बाद एसीसी महिला टी20 एशिया कप फाइनल से चूक गए।

न्यूजीलैंड में वनडे विश्व कप की शुरूआत में, बिस्माह ने माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ अपनी टीम के टूर्नामेंट के सलामी बल्लेबाज से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की।

वहीं एक तस्वीर में उनकी टीम की एक साथी बच्चे को संभालने में लगी रही थीं। यहां तक कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अर्धशतक पूरा करने के बाद उन्होंने बेबी-रॉकिंग सेलिब्रेशन भी किया। पाकिस्तान महिला टीम 16, 18 और 21 जनवरी को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों के साथ 2023 की शुरूआत करेगी।

इसके बाद 24, 26 और 29 जनवरी को विश्व चैंपियन के खिलाफ तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद टीम महिला टी20 विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए मेलबर्न से दक्षिण अफ्रीका जाएगी। मार्की इवेंट में, पाकिस्तान को इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप 2 में रखा गया है। पाकिस्तान 15 फरवरी को उसी स्थान पर आयरलैंड का सामना करने से पहले 12 फरवरी को न्यूलैंड्स, केपटाउन में कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा।

राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रायल्स 2023 में हिस्सा नहीं लेने वाले खिलाड़ियों में साइना भी शामिल

नयी दिल्ली।राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की चैम्पियन साइना नेहवाल उन बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 14 से 19 फरवरी को दुबई में होने वाली एशियाई टीम चैम्पियनशिप के लिये होने वाले राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेंगे।पूर्व नंबर एक साइना को आकर्षि कश्यप और मालविका बंसोड के साथ ट्रायल्स के लिये शामिल किया गया था।सीनियर चयन समिति को एशियाई प्रतियोगिता में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ दूसरी महिला एकल खिलाड़ी चुनने के लिये इन तीनों के नाम शामिल किये थे। लेकिन साइना और मालविका दोनों ने ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा की।भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''साइना और मालविका ने बीएआई को ट्रायल्स के लिये अपनी अनुपलब्धता की जानकारी दी।इसलिये अस्मिता चालिहा को ट्रायल्स के लिये आमंत्रित किया गया है।कुछ अन्य खिलाड़ियों ने भी हटने का फैसला किया है।'' इससे अब आकर्षि और अस्मिता के बीच मुकाबला होगा।साइना के लिये 2022 काफी मुश्किल रहा जिसमें वह कई तरह की चोटों से जूझती रहीं और फॉर्म में नहीं होने से वह विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर खिसक गयी।अपने कार्यभार प्रबंधन के लिये वह पिछले साल अप्रैल में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल में भी उपलब्ध नहीं हो पायी थीं।चयन समिति ने एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय, सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी को उनकी बेहतरीन विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधे प्रवेश देने का फैसला किया।समिति ने 25 दिसंबर को वर्चुअल बैठक की थी, जिसमें उसने ट्रायल्स से 14 सदस्यीय टीम के अन्य सदस्यों का चयन करने का फैसलाकिया था।अब यह ट्रायल खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के कारण एक दिन में ही हो जायेगा।पता चला है कि एम आर अर्जुन भी चोटिल हो गय हैं और वह भी ट्रायल्स का हिस्सा नहीं हो पायेंगे जिससे पुरूष युगल स्थान के लिये कृष्णा प्रसाद गार्गा और विष्णुवर्धन गौड़ पी तथा ईशान भटनागर और साई प्रतीक के की जोड़ी के लिये यह नॉकआउट मुकाबला होगा।विजेता जोड़ी टीम में सात्विक और चिराग के साथ जुड़ जायेगी।अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी भी ट्रायल्स के लिये उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि कुछ महीने पहले यह जोड़ी टूट चुकी है।

'मैं अपना मैच हारा हूं, यही बात है ना' संन्यास की अटकलों पर नडाल ने दिया जवाब

सिडनी (एजेंसी)। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल ने संन्यास की अटकलों को समाप्त करते हुए शनिवार को कहा कि वह अब भी सबसे बड़े स्तर पर खेल का आनंद ले रहे हैं। यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टूर्नामेंट में कैमरून नोरी के हाथों मिली हार के बाद 36 वर्षीय नडाल ने कहा,''मैं सिर्फ अपना मैच हारा हूं। सिर्फ यही बात है ना? मैं जब भी संवाददाता सम्मेलन में आता हूं, ऐसा लगता है कि मुझे संन्यास ले लेना चाहिये। आप मेरे संन्यास में काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। फिलहाल तो इसकी कोई संभावना नहीं है।'

गौरतलब है कि नडाल को नोरी के हाथों 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद जब नडाल से संन्यास से जुड़े सवाल किये गये तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि ऐसी कोई बात उनके दिमाग में नहीं है। नडाल ने कहा, ''जब वह दिन आयेगा तो मैं आप सबको बता दूंगा। संन्यास के बारे में बात मत करते रहिये, क्योंकि मैं यहां टेनिस खेलना जारी रखने वाला हूं।%%

उन्होंने कहा, ''मैं चीजों को बेहतर तरीके से कर सकता हूं और मुझे यह करने की जरूरत है। उन्होंने (नोरी ने) अपना पहला मैच दो दिन पहले खेला था और इससे उन्हें फायदा हुआ। मुझे थोड़ा फुर्तीला होने की जरूरत है, थोड़ा और मजबूत होने की जरूरत है। थोड़ी कम गलतियों और कुछ मौकों पर बेहतर फैसले लेकर ज्यादा देर तक खेलने की जरूरत है।' गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2022 के विजेता नडाल ग्रैंड स्लैम आयोजन के 2023 के संस्करण के लिये तैयारी के तहत यूनाइटेड कप में हिस्सा ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 16 जनवरी (सोमवार) से मेलबर्न पाक में शुरू होने जा रहा है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:–

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के ह्रदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़–मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और– तुलसीदास जी ने तो–

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि– हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली–सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने–अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली–सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली–सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली–सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा– आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख–शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा–याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख–समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि–त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

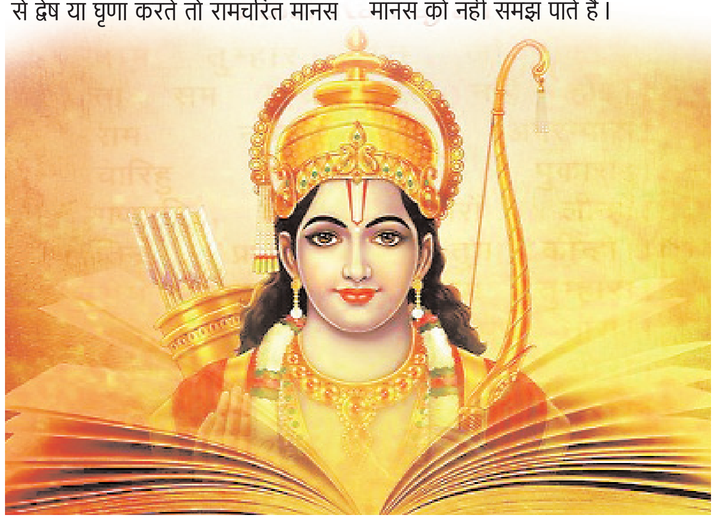

नववर्ष के मौके पर पूरी तरह ईयू में शामिल हुआ क्रोएशिया

जगरेब। क्रोएशिया शनिवार मध्यरात्रि को पूरी तरह से यूरोपीय संघ में शामिल हो गया। इसके साथ ही देश में यूरोपीय मुद्रा यूरो का इस्तेमाल शुरू हो गया है और दर्जनों सीमावर्ती जांच चौकियों को हटा दिया गया है। यूरोपीय महाद्वीप के बाल्कन क्षेत्र में पड़ने वाले छोटे से देश क्रोएशिया की आबादी लगभग 40 लाख है। तीन दशक पहले क्रोएशिया में हुए भयानक युद्ध के कारण पूरी दुनिया का ध्यान इस देश पर गया था। उस युद्ध में क्रोएशिया की अर्थव्यवस्था का लगभग चौथाई हिस्सा बर्बाद हो गया था। यूगोस्लाविया से स्वतंत्रता पाने के लिए हुए उस युद्ध में 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी और लाखों लोग विस्थापित हो गए थे। यूरोपीय संघ (ईयू) में पूरी तरह शामिल होने के साथ ही अब क्रोएशिया के लोग बिना पासपोर्ट के 27 देशों वाले ईयू में स्वतंत्र रूप से घूम सकेंगे। यूरो को अपनाने से क्रोएशिया को इस मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 19 अन्य देशों और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के साथ गहरे वित्तीय संबंधों से होने वाले लाभ भी मिलेंगे। इससे यात्रा और व्यवसाय करने में भी आसानी होगी तथा साथ ही विदेश जाने वाले क्रोएशियाई नागरिकों के लिए मुद्रा विनिमय की परेशानी भी दूर होगी। क्रोएशिया 2013 में यूरोपीय संघ में शामिल हुआ था, लेकिन यूरो को अपनाने के लिए देश को स्थिर विनिमय दर, नियंत्रित मुद्रास्फीति और बेहतर सार्वजनिक व्यय सहित सख्त आर्थिक शर्तों को पूरा करना था।

मिस्र पुलिस पर हुए हमले की इस्लामिक स्टेट ने ली जिम्मेदारी

काहिरा। मिस्र के स्वेज नहर के किनारे स्थित इस्माइलिया शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। उक्त हमले में तीन पुलिसकर्मियों सहित कम से कम चार व्यक्ति मारे गए थे। आतंकी संगठन ने शनिवार देर रात अपनी अमाक समाचार एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में हमले का दावा किया। यह हमला शुक्रवार दोपहर उस समय हुआ जब हथियारबंद आतंकवादियों ने इस्माइलिया में पुलिस पर गोलियां चलाईं। हमले में कम से कम 12 लोग घायल हो गए थे। हताहतों की संख्या संबंधी अस्पताल के एक दस्तावेज के अनुसार, मृतकों में तीन पुलिस अधिकारी और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। सरकारी अल–काहेरा न्यूज टेलीविज़न स्टेशन ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावरों में से एक को मार गिराया। मिस्र वर्षों से सिनाई प्रायद्वीप के उत्तरी हिस्से में इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह से जूझ रहा है।

जापान में कोविड–19 के 86,924 नए केस दर्ज, 247 की मौत

टोक्यो। जापान वर्तमान में कोरोना वायरस की आठवीं लहर का सामना कर रहा है। कोविड–19 से जूझ रहे जापान ने रविवार को बताया कि देश में कोरोना से एक दिन में 247 लोगों की मौत हुई है। जापान टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस के 86,924 मामले दर्ज किए गए हैं जोकि शनिवार को दर्ज किए गए केसों की तुलना में 20,541 कम हैं। जापान की राजधानी टोक्यो में कोरोना वायरस के 9,186 नए केस दर्ज किए गए जोकि शनिवार की तुलना में 2,003 कम हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, टोक्यो में अस्पताल में भर्ती गंभीर लक्षण वाले मरीजों की संख्या 45 और पूरे देश में गंभीर लक्षण वाले मरीजों की संख्या 592 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान में पिछले तीन महीनों में कोविड–19 से मरने वालों की संख्या साल 2021 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 16 गुना ज्यादा है। देश के राष्ट्रीय दैनिक द मेनिची के अनुसार, 2022 की संख्या 2021 की तुलना में एक अलग पैमाने पर है। रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि 1 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक की तीन महीने की अवधि में व्यापक रूप से देखें तो 2021 में उस समय सीमा के दौरान 744 मौतें हुईं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में यह आंकड़ा 11,853 हो गया है।

पाकिस्तान में नए साल के जश्न में फायरिंग, 22 लोग घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कराची सहित कई बड़े शहरों में नए साल का स्वागत हवा में गोलियां चला कर की गईं, जिसमें कम से कम 22 लोग घायल हो गए। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। शनिवार रात 12 बजते ही नये साल का स्वागत करने के लिए कराची में गोलीबारी की आवाज़ गूंज उठी। पाकिस्तानी टेलीविजन नेटवर्क जियो टीवी के मुताबिक, कराची के अलग–अलग हिस्सों में की गई हवाई गोलीबारी में बच्चों और महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए। हालांकि, शहर में हथियारों के प्रदर्शन पर रोक है। अस्पतालों के सूत्रों ने बताया कि घायल हुए आठ लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि चार घायलों को जिन्ना अस्पताल में और महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोगों को अब्बासी शहीद अस्पताल ले जाया गया। कोरंगी में गोलीबारी के सिलसिले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से तीन पर हत्या की कोशिश का आरोप लगाया गया है। समाचार चैनल की खबर के मुताबिक, कराची के लोग नये साल का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उमड़ पड़े। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी भी लोगों के साथ नुमाइश चौरंगी इलाके में आतिशबाजी देखने पहुंचे। इसी तरह के जश्न की खबरें लाहौर, इस्लामाबाद और रावलपिंडी से भी मिली हैं। लाहौर से भी लोगों के घायल होने की सूचना मिली है।

पश्चिमी मेक्सिको में भीषण सड़क हादसा, पर्यटकों को ले जा रही बस पलटने से 15 लोगों की मौत, 47 घायल

मेक्सिको सिटी : मेक्सिको के प्रशांत तटीय राज्य नयारित में एक राजमार्ग पर पर्यटकों को ले जा रही बस पलटने से 15 लोगों की मौत हो गयी तथा 47 घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। नजदीकी राज्य ग्वानजुआतो में अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री राज्य के लियोन शहर के हैं। मेक्सिको में मित्रों, रिश्तेदारों या पड़ोसियों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए बस किराए पर लेना आम बात है। नयारित में अभियोजकों ने बताया कि यह दुर्घटना राजमार्ग के एक ग्रामीण क्षेत्र में शुक्रवार को हुई। मृतकों में कम से कम चार बच्चे शामिल हैं। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटक ग्वायाबितोस से उत्तरी प्यूर्तो वलार्ता शहर लौट रहे थे। हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

पाकिस्तान : हिंदू महिला की हत्या की जांच के दौरान 'हथियार' बरामद

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पुलिस ने एक हथियार बरामद किया है जिसके बारे में उनका मानना है कि पिछले सप्ताह 44 वर्षीय हिंदू महिला की हत्या में इसका इस्तेमाल किया गया था। दया भील का क्षत–विक्षत शव 27 दिसंबर को प्रांत के संघार जिले के सिंझीरो गांव में एक सरसों के खेत में पाया गया था, जिससे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय में डर और दहशत फैल गई थी। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, सिंध में हैदराबाद शहर की पुलिस टीम ने एक दरांती बरामद की है, जिसके बारे में उनका मानना है कि दया भील की हत्या में इसका इस्तेमाल किया गया था। खबर के मुताबिक, इसकी पुष्टि के लिए दरांती को स्वास्थ्य विभाग की प्रयोगशाला में भेजा गया है। इस घटना से हिंदू समुदाय में रोष है, जिन्होंने पुलिस कार्रवाई की मांग को लेकर संघार जिले में विरोध–प्रदर्शन किया।

श्रीलंका के लिए महत्वपूर्ण होगा वर्ष 2023, अर्थव्यवस्था में बदलाव की बना रहे योजना : राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने रविवार को कहा कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे देश के लिए 2023 एक 'महत्वपूर्ण वर्ष' होगा और उनकी सरकार संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के भरसक प्रयास कर रही है। विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में एक अभूतपूर्व वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। इसके चलते देश में राजनीतिक उथल–पुथल पैदा हो गई थी और शक्तिशाली राजपक्षे परिवार को सत्ता गंवानी पड़ी थी। विक्रमसिंघे ने नववर्ष संदेश में कहा, फ्रपिछले साल सबसे मुश्किल दौर, अपार कठिनाइयों, अनिश्चितताओं और निराशा से गुजरने के बाद हम नए साल 2023 में प्रवेश कर रहे हैं।''

किम जोंग उन ने परमाणु शस्त्रागार में तेज़ी से विस्तार करने का आदेश दिया

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने नए साल के पहले ही दिन रविवार को एक मिसाइल का परीक्षण किया। वहीं उसके नेता किम जोंग उन ने अपने देश के परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने और नई व अधिक शक्तिशाली अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया ने पिछले साल रिकॉर्ड संख्या में मिसाइलों का परीक्षण किया। किम जोंग कई बार यह संकल्प ले चुके हैं कि वे 'अमेरिका की दुश्मनी' से निपटने के लिए मुल्क के शस्त्रागार की गुणवत्ता और क्षमता दोनों को बढ़ाएंगे। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि किम जोंग का अधिक परमाणु और नई हथियार प्रणालियों का उत्पादन पर जोर भविष्य में होने वाली वार्ताओं में उनकी स्थिति को मजबूत करने के लिए है।

उत्तर कोरिया के अमेरिका साथ रिश्ते लंबे समय से तनावग्रस्त हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी' (केसीएनए) के मुताबिक, किम ने हाल में सत्तारूढ़ पार्टी की बैठक में कहा था कि ''वे मानव इतिहास में अप्रत्याशित तौर पर उत्तर कोरिया को अलग थलग करने और दबाने पर लगे हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए सैन्य ताकत को मजबूत करने के लिए दोगुने प्रयास करने की जरूरत है जो उत्तर कोरिया की संप्रभुता, सुरक्षा और मौलिक हितों की सुरक्षा की गारंटी है। किम जोंग ने आरोप लगाया कि दक्षिण कोरिया अविवेकपूर्ण तरीके से खतरनाक हथियारों के निर्माण÷ पर तुला हुआ है और उत्तर कोरिया के साथ खुले तौर पर युद्ध की तैयारी का ढिंढोरा पीट रहा है। केसीएनसी के मुताबिक, किम जोंग ने कहा है कि परमाणु हथियारों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की जरूरत है। उन्होंने 'देश के परमाणु शस्त्रागार में तेज़ी से वृद्धि' करने का आदेश भी दिया। केसीएनए ने कहा कि किम ने एक अन्य अंतरमहाद्विपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया है, जिसका मकसद तेज़ी से जवाबी परमाणु हमला करना है।

किम जोंग ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह दक्षिण कोरिया में परमाणु हमले के लिए हथियार तैनात कर रहा है और नाटो जैसा क्षेत्रीय सैन्य संगठन स्थापित करने की कोशिश में है। किम जोंग ने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया जल्द से जल्द अपना पहला सैन्य टोही उपग्रह भी प्रक्षेपित करेगा तथा इस बाबत तैयारी अपने अंतिम चरण में हैं। अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित सुरक्षा 'आरएएनडी' में सुरक्षा विशेषज्ञ सू किम ने कहा कि पार्टी की बैठक से किम जोंग की टिप्पणियां नव वर्ष के महत्वाकांक्षी संकल्प लगते हैं लेकिन उन्हें साकार करना मुश्किल है। पिछले महीने उत्तर कोरिया ने कई अहम परीक्षण किए थे जो नए रणनीतिक हथियारों के विकास के लिए जरूरी हैं। 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' में विशेषज्ञ अंकित पांडा ने कहा कि उपग्रह का प्रक्षेपण अप्रैल में हो सकता है।किम जोंग के दिवंगत पिता और देश के संस्थापक की जयंती 15 अप्रैल को पड़ती है जिसे उत्तर कोरिया में धूम धाम से मनाया जाता है।

केसीएनए ने कहा कि पार्टी बैठक में किम जोंग की रिपोर्ट ने साफ किया है कि देश के परमाणु हथियारों का पहला मिशन जंग रोकना है और शांति को सुनिश्चित करना है। उसके मुताबिक, अगर यह युद्ध रोकने में नाकाम रहते हैं तो ÷इनका दूसरा मिशन रक्षात्मक नहीं होगा।÷ उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते खतरों की वजह से अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने अपने सैन्य अभ्यासों की संख्या में इज़ाफा किया है और त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मज़बूत किया जिसमें जापान भी शामिल है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि रविवार तड़के उत्तर कोरिया ने मध्य क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण किया। 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि मिसाइल करीब 400 किलोमीटर की दूरी तक गई और फिर कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच जल क्षेत्र में गिर गई।

बयान में इस प्रक्षेपण को 'गंभीर उकसावे वाला कदम' बताया गया है, जो कोरियाई प्रायद्वीप की शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकता है। उसमें यह भी कहा गया है कि दक्षिण कोरिया उकसावे भरी किसी भी हरकत से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 70 से ज्यादा मिसाइलों का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को पुष्टि की कि उसके देश ने 'सुपर-लार्ज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर' का परीक्षण किया है और यह हथियार की क्षमता को आंकने के लिए किया गया है। केसीएनए ने कहा कि शनिवार को तीन गोले दागे गए जोदेश के पूर्वी हिस्से के अपटतीय क्षेत्र में स्थित एक द्वीप में लक्ष्य पर जाकर लगे। उसने कहा कि उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर एक और गोला दागा।

दुनिया भर में लोगों ने आतिशबाजी और जश्न मनाकर किया नववर्ष का स्वागत

मेलबर्न (एजेंसी)। यूरोप और पश्चिम एशिया समेत दुनिया भर के प्रमुख शहरों में लोगों ने हर्षोल्लास के साथ नए साल का स्वागत किया। कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जब बिना किसी पाबंदी के विश्वभर के कई प्रमुख शहरों में आतिशबाज़ी तथा अन्य आयोजनों के जरिए नव वर्ष का जश्न मनाया गया। यूद्धग्रस्त यूक्रेन के खारकीव में बच्चों समेत बड़ी संख्या में लोग सेंट निकोल्स चर्च गए और नव वर्ष से पहले विशेष प्रस्तुतियों का उन्होंने आनंद लिया। इस बीच कुछ सैनिकों ने कहा है कि वे आम तौर पर नववर्ष को अपने परिवार के साथ मनाते थे लेकिन इस बार उन्होंने चौकियों पर रहने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें अपने देश की हिफाज़त करनी है।

अन्य सैनिक अपने प्रियजनों के संग नव वर्ष की पूर्व संध्या मनाने के लिए राजधानी कीव लौट आए। विद्यूत आपूर्ति को निशाना बनाने वाले रूस के लगातार हमलों की वजह से लाखों लोग बिना बिजली के हैं और इस वजह से बड़े कार्यक्रम करने की योजना नहीं बनाई गई। मध्यरात्रि से कई स्थानों पर कर्फ्यू लगाया जाना था। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने शनिवार शाम को टीवी के जरिए अपने संबोधन में 'एकता और विश्वास' का संदेश दिया। उन्होंने यूक्रेन में जंग का कई बार हवाला दिया और 'यूक्रेनी दोस्तों' को फ्रांस का संदेश देते हुए कहा, ' हम आपका सम्मान और प्रशंसा करते हैं।'

मैक्रों ने कहा, '' आने वाले साल में हम आपके साथ रहेंगे। हम जीतने तक आपकी मदद करेंगे और हम साथ मिलकर उचित और स्थायी शांति लाएंगे। फ्रांस और यूरोप पर भरोसा रखें।÷ तुर्किये के सबसे घनी आबादी वाले शहर इस्तांबुल में भी वर्ष 2023 का जश्न ज़ोरशोर से मनाया गया। यहां लोगों ने पटाखे जलाए। शहर के सबसे व्यस्त मार्ग इस्तिकाल एवन्यू में ईसाई धर्म के हजारों अनुयायियों ने नववर्ष पर और पूर्व पोप बेनेडिक्ट 16वें के लिए प्रार्थना की। पोप बेनेडिक्ट का 95 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। प्रशांत क्षेत्र में स्थित किरिबाती राष्ट्र ने सबसे पहले नववर्ष का स्वागत किया। इस मुल्क में 2023 ने पड़ोसी न्यूज़ीलैंड से एक घंटे पहले दस्तक दे दी थी।

न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड में बड़ी संख्या में लोग 'स्काई टावर' के नीचे जमा हुए और 10 सेकंड की उलटी गिनती की और 12 बजते ही आतिशबाज़ी कर नववर्ष का स्वागत किया। न्यूज़ीलैंड के सबसे बड़े शहर में काफी धूमधाम से नववर्ष का जश्न मनाया गया, एक साल पहले कोविड के कारण नए साल के कार्यक्रमों को रद्द करना पड़ा था। ऑकलैंड से करीब 225 किलोमीटर दूर टौरंगा में नववर्ष के जश्न के दौरान एक हादसा हो गया। टौरंगा नगर परिषद ने बताया कि 'बाउंसिंग कैसल' के 100 मीटर तक उछलने के कारण पांच लोग जख्मी हो गए जिनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विविधता और समावेश की थीम पर जश्न मनाने के लिए सिडनी के एक झरने पर 10 लाख से ज्यादा लोग जुटे। इस उत्सव पर कई लाख डॉलर का खर्च आया है। सिडनी हार्बर ब्रिज के ऊपर से सात हज़ार से ज्यादा फटाखे छोड़े गए। सैनिक शासन वाले म्यांमा में अधिकारियों ने तीन सबसे बड़े शहरों में कर्फ्यू में तीन घंटे की रियायत दी ताकि लोग नववर्ष की पूर्व संध्या का जश्न मना सकें। सैन्य शासन का विरोध कर रहे लोगों ने जनता से सार्वजनिक तौर पर जमा होने से बचने को कहा और अंदेशा व्यक्त किया कि सुरक्षा बल वहां पर विस्फोट कर सकते हैं या हमला कर सकते हैं और इसका दोष उनपर मढ़ देंगे।

नववर्ष के लिए लौट रहे यूक्रेनवासियों पर रूसी हमले तेज

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव और देश के अन्य हिस्सों में शनिवार को हुए कई विस्फोटों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 14 घायल हो गए, जो इस बात के संकेत हैं कि नववर्ष के पहले रूसी हमले तेज हुए हैं। कुछ यूक्रेनवासियों ने नववर्ष की छुट्टियों में परिवारों से मिलनेके लिए देश लौटने के खतरे को भी धता बता दिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया कि रूस अब जान-बूझकर नागरिकों को निशाना बना रहा है, ताकि 2023 को खूनी वर्ष के रूप मेंपेश करने के लिए भय का वातावरण तैयार किया जा सके। यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्का ने नववर्ष की पूर्व संध्या के जश्न से ठीक पहले इतने बड़े मिसाइल हमले को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा, ''दूसरों की जिंदगी बर्बाद करना हमारे पड़ोसियों की घिनौनी आदत है।'' विस्फोट भी असामान्य रूप से तेज गति से हुए कि रूस द्वारा बृहस्पतिवार को ऊर्जा अवसंरचना सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में मिसाइल दागने के 36 घंटे बाद अधिकारियों को सतर्क किया जा सका। यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने हाल के दिनों में नागरिकों पर हुए हमलों का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि इस बार रूस ने न केवल ऊर्जा के बुनियादी ढांचों को, बल्कि आवासीय इलाकों को भी निशाना बनाया है। कीव में शनिवार दोपहर को विभिन्न आवासीय इमारतों और नागरिक अवसंरचनाओं को निशाना बनाया।

अपने जीवन के अंत तक सत्ता में बने रहना चाहते हैं पुतिन : जेलेंस्की

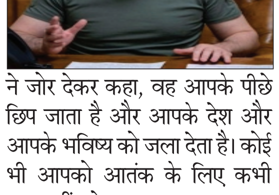

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर शैतान का अनुसरण करने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने जीवन के अंत तक सत्ता में बने रहना चाहते हैं। सीएनएन ने बताया कि मॉस्को ने नए साल से पहले यूक्रेन के कई क्षेत्रों में घातक हमले किए। जिसके बाद जेलेंस्की ने क्रेमलिन और रूसी नागरिकों को एक संदेश भेजने के लिए अपने संबोधन में रूसी भाषा का इस्तेमाल किया।

जेलेंस्की ने कहा, यह युद्ध जो आप लड़ रहे हैं, यह नाटो के साथ युद्ध नहीं है, आपके प्रचारक झूठ बोलते हैं। सीएनएन ने उन्हें अपने संबोधन में कहा, यह किसी ऐतिहासिक चीज के लिए नहीं है। यह एक व्यक्ति के लिए अपने जीवन के अंत तक सत्ता में बने रहने के लिए है। रूस के नागरिकों, आप सभी के साथ क्या होगा, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं है।जेलेंस्की ने कहा रूसी नेता सैनिकों के पीछे, मिसाइलों के पीछे, अपने आवासों और महलों की दीवारों के पीछे और अपने लोगों के पीछे छिपा है। जेलेंस्की ने जोर देकर कहा, वह आपके पीछे छिप जाता है और आपके देश और आपके भविष्य को जला देता है। कोई भी आपको आतंक के लिए कभी माफ नहीं करेगा।

जेलेंस्की ने कहा अधिकांश रूसी मिसाइलों को एयर डिफेंस फोर्स द्वारा रोक दिया गया। अगर एयर डिफेंस नहीं होती, तो हताहतों की संख्या अलग होती। बहुत बड़ी होती उन्होंने जोर देकर कहा, यह दुनिया के लिए एक और सबूत है कि यूक्रेन के लिए समर्थन बढ़ाया जाना चाहिए। यूक्रेनी प्रधानमंत्री डेनिस शिम्हाल ने पहले कहा था कि मॉस्को अंधेरा पैदा करना चाहता है और देश को नए साल के लिए अंधेरे में छोड़ना चाहता है। मास्को का इरादा डराना, नए साल के लिए हमें अंधेरे में छोड़ना, नागरिक बुनियादी ढांचे को जितना संभव हो उतना नुकसान पहुंचाना है।

नए साल की पहली सुबह काबुल के सैन्य अड्डे पर भीषण विस्फोट, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नए साल की पहली सुबह सैन्?य अड्डे पर ब्लास्ट की खबर सामने आई है। मीडिया के अनुसार, काबुल में मिलिट्री एयरपोर्ट के गेट के बाहर एक ब्लास्ट हुआ है। इस ब्लास्ट में कई लोगों के मारे जाने और घायल होने की आशंका जताई जा रही है। तालिबान के गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने इस बात की पुष्टि कर दी है।

सरकार ने मौतों की पुष्टि की

अब्दुल नफी ताकोर ने बताया, 'आज सुबह काबुल सैन्य हवाई अड्डे के बाहर एक विस्फोट हुआ, जिसके कारण हमारे कई नागरिक मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।' काबुल में हुए इस ब्लास्ट के पीछे की वजह अभी पता नहीं चल पायी है। तालिबान सरकार ने मरने वालों या घायलों का कोई भी आंकड़ा जारी नहीं किया है। लेकिन अब्दुल नफी ताकोर ने कहा है कि मामले की जाँच की जा रही है।

अफगानिस्तान में लगातार हो रहे हैं हमले

अफगानिस्तान में पिछले एक महीने में कई ब्लास्ट होने की खबरें आ चुकी हैं। अभी हाल ही में तालुकान शहर में एक भीषण धमाका हुआ था। इस हमले में चार लोग घायल हो गए थे। इससे पहले 12 दिसंबर को काबुल में एक चीनी होटल पर हमला हुआ था। हमलावरों ने होटल में घुसकर फायरिंग भी की थी। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें 10 मंजिला इमारत से धुएं का गुबार उठता देखा गया।

संघर्षग्रस्त म्यांमा में सेना ने नये साल पर चार घंटे के लिए कर्फ्यू हटाया

यांगून (एजेंसी)। सैन्य शासित म्यांमा के अधिकारियों ने देश के तीन सबसे बड़े शहरों में नये साल का जश्न मनाने के लिए चार घंटे के लिए सामान्य कर्फ्यू को स्थगित करने की घोषणा की, लेकिन सैन्य शासन के विरोधियों ने लोगों से दूर रहने का आग्रह किया और दावा किया कि सुरक्षा बल हमला कर सकते हैं तथा उल्टे उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि यांगून क्षेत्रीय सरकार एक रात के लिए मध्यरात्रि से तड़के चार बजे तक कर्फ्यू हटा रही है, जहां वह शहर के पीपुल्स पार्क में आतिशबाजी और संगीत के साथ नये साल की उलटी गिनती वाली पार्टी की मेजबानी करेगी। देश की राजधानी नेपीता और दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निवासियों ने पुष्टि की कि उनके शहरों से भी कर्फ्यू हटा लिया गया है, जहां आधिकारिक समारोह भी आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, सेना के शासन का विरोध करने वाले समूहों ने सोशल मीडिया पर चेतावनियां पोस्ट कीं और लोगों से सुरक्षा कारणों से सैन्य-संगठित कार्यक्रमों में शामिल न होने का आग्रह किया है। विपक्ष के सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा गया है कि नववर्ष की सभाओं में भाग लेने को सेना के प्रचार जाल में फंसने के रूप में भी देखा जा सकता है, क्योंकि जश्न मना रहे लोगों की तस्वीरें यह दावा करने के लिए दिखाई जा सकती हैं कि देश में स्थिति सामान्य हो गई है।

चीन से ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जाने वाले यात्रियों के लिए कोविड जांच अनिवार्य होगी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन, हांगकांग और मकाउ के यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की उड़ान भरने से पहले कोविड जांच की रिपोर्ट पेश करनी होगी, जो दो दिन से ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए। रिपोर्ट में यात्रियों के कोरोना वायरस से संक्रमित न होने की पुष्टि होने के बाद ही उन्हें विमान में सवार होने की अनुमति दी जाएगी। कनाडा सरकार ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा, चीन, हांगकांग और मकाउ से आने वाले दो साल या उससे अधिक उम्र के सभी यात्रियों के लिए पांच जनवरी से प्रस्थान से पहले कोविड जांच की नेगेटिव रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य होगा।

बयान के मुताबिक, ''ये प्रस्तावित स्वास्थ्य उपाय राष्ट्रीयता और टीकाकरण की स्थिति से परे सभी हवाई यात्रियों पर लागू होंगे। संबंधित उपाय अस्थायी हैं, जो 30 दिन तक प्रभावी रहेंगे। अधिक डेटा और साक्ष्य उपलब्ध होने पर इन उपायों पर पुनर्विचार किया जाएगा।'' बयान में कनाडा सरकार ने कहा कि उसने चीन में कोविड-19 के नए मामलों में भारी वृद्धि और इन मामलों के संबंध में महामारी विज्ञान एवं जीनोम अनुक्रमण डेटा की सीमित उपलब्धता के मद्देनजर नए जांच उपाय लागू किए हैं। सरकार के मुताबिक, कनाडा की उड़ान में सवार होने से पहले यात्रियों को विमानन कंपनी को कोविड जांच की नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी, जो प्रस्थान से दो दिन से ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए।

यात्री आरटी-पीसीआर या एंटिजन जांच में से किसी की भी रिपोर्ट पेश कर सकते हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि पांच जनवरी से चीन, हांगकांग और मकाउ के सभी यात्रियों के लिए उड़ान से पहले कोविड जांच की नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी, जो प्रस्थान से दो दिन ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से पहले अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली भी चीन से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड जांच की रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य कर चुके हैं।

इससे पहले, चीनी अधिकारियों ने कहा था कि आठ जनवरी से विदेशी यात्रियों को चीन आने के बाद पृथकवास में रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हांगकांग के मुख्य कार्यकारी एरिक चान के एक फेसबुक पोस्ट के मुताबिक, हांगकांग आठ जनवरी से चीन से सटी सीमा पर अतिरिक्त जांच चौकियों के संचालन की योजना बना रहा है और वह चीन आने-जाने वाले यात्रियों के लिए पृथकवास में रहने की शर्त को भी हटा सकता है। हालांकि, चीन और हांगकांग के बीच यात्रियों की सीमा निर्धारित करने वाला कोटा जारी रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2023 में नौ राज्यों में चुनाव 2024 के आम चुनाव से पहले सत्ता का सेमीफाइनल

नई दिल्ली ।

नए साल का आगाज हो गया हैं इसके साथ यह नव वर्ष राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण होगा है। ऐसा इसलिए क्योंकि साल 2023 विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनावी जंग का अखाड़ा बनने वाला है। यह साल आने वाले समय में 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनने वाला साल है। 2023 में देश के पूर्वोत्तर से लेकर पश्चिम और दक्षिण से लेकर मध्य भाग तक कम से कम नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। आने वाला साल बीजेपी विरोधी पार्टियों के लिए भी अहमियत रखता है जो एकजुट होने के लिए मुखर हो रही हैं। 2023 में राजस्थान मध्य प्रदेश कर्नाटक छत्तीसगढ़ तेलंगाना त्रिपुरा मेघालय नागालैंड और मिजोरम में विधानसभा चुनाव हैं। इसके अलावा अगर सब कुछ ठीक रहा तब सरकार अगले साल जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव भी करा सकती है। इस हिसाब से 2023 के चुनावी मुकाबलों को 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा सकता है। यह नया साल कांग्रेस पार्टी के लिए भी काफी अहम होने वाला है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ दो इसतरह के राज्य हैं जहां कांग्रेस की सरकार है। इसकारण यह कहना शायद गलत नहीं होगा कि कांग्रेस के लिए अस्तित्व की लड़ाई चल रही है जिसे हाल ही में हुए हिमाचल चुनावों में जीत के बाद कुछ हद तक राहत की सांस मिली है। राजस्थान में कांग्रेस ने 2018 में 200 सीट वाली विधानसभा में 100 सीटें जीतकर भाजपा से सत्ता छीनी थी। 2013 में 163 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल करने वाली बीजेपी को 2018 में सिर्फ 73 सीटें ही मिली थी। राज्य में 2023 में फिर से भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी। राजस्थान में 1990 से सत्ता कभी भाजपा तब कभी कांग्रेस के हाथ रही है। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अनबन की बातें कांग्रेस के लिए सिरदर्द साबित होगी हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने पिछले चुनाव में भाजपा के 15 साल के राज को खत्म करते हुए 90 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी को सिर्फ 15 सीटें मिली थीं। हाल ही में हुए भानुप्रतापपुर उपचुनाव में भी सत्तारूढ़ कांग्रेस ने सीट बरकरार रखी। वहीं मध्य प्रदेश में 2018 में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद एक बड़ा राजनीतिक नाटक देखा गया जब कमलनाथ भाजपा के 15 साल के शासन को खत्म कर मुख्यमंत्री बने। हालांकि शिवराज सिंह चौहान दो साल बाद सत्ता में लौट आए दिग्गज नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस के 22 मौजूदा विधायकों ने भाजपा में शामिल होकर कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। अब इन दोनों राज्यों में भी 2023 चुनावी साल है। कर्नाटक में भी 2023 में चुनाव होने हैं। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने के बाद सियासी बवाल मच गया था। त्रिशंकु विधानसभा के बाद बीएस येदियुरप्पा को राज्यपाल ने मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई लेकिन बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण इस्तीफा दे दिया। बाद में कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) ने मुख्यमंत्री के रूप में एचडी कुमारस्वामी के साथ सरकार बनाने के लिए गठबंधन किया था। हालांकि 14 महीने बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के एक दर्जन से अधिक विधायकों ने इस्तीफा दे दिया जिसके परिणामस्वरूप कुमारस्वामी सरकार गिर गई। जुलाई 2019 में बीएस येदियुरप्पा फिर से मुख्यमंत्री के रूप में लौटे। हालांकि बीजेपी ने पिछले साल जुलाई में येदियुरप्पा की जगह बसवराज बोम्मई को सीएम बना दिया था। कर्नाटक भाजपा के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह दक्षिण का एकमात्र राज्य है जहां पार्टी का शासन है। तेलंगाना के गठन के बाद से चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सत्ता में है। अब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के साथ केसीआर ने केंद्र में मोदी सरकार का मुकाबला करने के लिए भारत राष्ट्र समिति के रूप में अपनी पार्टी को फिर से लांच किया है। दूसरी ओर बीजेपी तेलंगाना में पैठ बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

दिल्ली के नर्सिंग होम में लगी भीषण आग 2 महिलाओं की मौत 12 को रेस्क्यू किया गया

नई दिल्ली ।

दिल्ली के जीके पार्ट 2 इलाके में स्थित एक नर्सिंग होम में भीषण आग लग गई। इस घटना में 2 महिलाओं की मौत हो गई है। दमकल विभाग के मुताबिक सुबह 5 बजकर 14 मिनट पर आग लगने की जानकारी मिली। कई घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस और दमकल विभाग ने मिलकर 12 लोगों का रेस्क्यू किया है। जानकारी के मुताबिक ग्रेटर कैलाश 2 में स्थित अंतर केयर फार सीनियर्स ई 585ए में आग लगने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस स्टेशन के सभी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अस्पताल की तीसरी मंजिल पर लगी आग को काबू पाने की कोशिश की जाने लगी। 5 दमकल और कैट एंबुलेंस घटना स्थल पहुंची थी। एक सीनियर सीटिजन को पीसीआर के जरिए मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि 12 वरिष्ठ नागरिकों को ओखला स्थित अस्पताल की दूसरी शाखा में शिफ्ट किया गया था। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। आग बुझाने के बाद तीसरी मंजिल पर जब तलाशी ली गई तो दो जली हुई लाशें बरामद की गईं। क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया था। मामले में कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि ग्रेटर कैलाश इलाके में स्थित इस नर्सिंग होम में रविवार की तड़के आग लगी थी। यहां वरिष्ठ नागरिकों का रख-रखाव किया जाता है। यह आग कैसे लगी? अभी इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। पुलिस आग लगने की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस हादसे में मरने वाले लोगों और घायल लोगों के बारे में भी अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

मां हीराबेन को लेकर पीएम मोदी पर अशोभनीय टिप्पणी मामले में कार्टूनिस्ट पर केस दर्ज

इंदौर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी दिवंगत मां हीराबेन को लेकर विवादित टिप्पणी करने के मामले में एक कार्टूनिस्ट पर एफआईआर दर्ज की गई है। कार्टूनिस्ट पर आरोप है कि हेमंत मालवीय ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की है। इसके बाद भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने उन पर केस दर्ज कराया है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं का कहना था कि देश के सबसे बड़े पद पर बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी का कुछ दिनों पहले अहमदाबाद के अस्पताल में देहांत हो गया। इसके बावजूद भी सोशल मीडिया पर इस तरह की गलत टिप्पणी की गई है। कार्यकर्ताओं द्वारा थाने पर शिकायत दर्ज कर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय खिलाफ धारा 188 में कार्रवाई की मांग की गई है। भाजयुमो अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने शिकायत करते हुए यह कहा कि ऐसे समय जब किसी के घर में गम का माहौल हो और वह भी देश के प्रधानमंत्री के यहां उसके बावजूद भी कुछ ऐसे लोग देश का सौहार्द्र बिगाड़ने की पूरी कोशिश करते हैं। हेमंत मालवीय पहले भी अपने कार्टून के माध्यम से कई लोगों के खिलाफ टिप्पणी लिखते रहे हैं। कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय ने पीएम मोदी की मां के देहावसान के बाद एक पोस्ट डाली थी। कई लोगों ने फेसबुक पर लिखे इस पोस्ट पर कमेंट भी किया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए थाने पर शिकायत दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी तहजीब काजी ने बताया कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे थे और उनकी शिकायत थी कि देश के प्रधानमंत्री के ऊपर भी यदि इस तरह के लोग सोशल मीडिया पर कुछ भी और गलत बातें लिखेंगे तो इस बात को युवा मोर्चा कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर सरकार ने सख्त कदम उठाने के आदेश दिए

नई दिल्ली।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर सरकार ने सख्त कदम उठाने के आदेश दिए हैं। जारी आदेश में उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कोयले व अन्य गैर मंजूर ईंधन के उपयोग पर एक सख्त प्रतिबंध लागू हो गया है। इस के बारे में बताते हुए अधिकारियों ने कहा कि नियम का पालन न करने वाली फैक्ट्रियों को बिना किसी चेतावनी के बंद कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा कि हालांकि थर्मल पावर प्लांटों में कम सल्फर वाले कोयले के इस्तेमाल की अनुमति है। लागू किए गए प्रतिबंध पिछले साल जुलाई में जारी व्यापक नीति का हिस्सा है। अधिकारी बिना किसी कारण बताओ नोटिस के कोयले सहित गैर-अनुमोदित ईंधन का उपयोग करने वाले उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बंद कर देंगे। आयोग के सीनियर अधिकारी ने बताया कि नियम का पालन न करने वाली इकाइयों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। ओयोग के पैनल ने 6 महीने पहले प्रतिबंध की घोषणा की थी जिससे सभी उद्योगों को स्वच्छ ईंधन पर जाने के लिए पर्याप्त समय मिल गया था। जारी आदेश में कहा गया है कि जलाऊ लकड़ी और बायोमास ब्रिकेट का उपयोग धार्मिक उद्देश्यों और दाह संस्कार के लिए किया जा सकता है। लकड़ी या बांस के चारकोल का उपयोग होटल रेस्टूरेंट बैंक्वेट हॉल और खुले भोजनालयों या ढाबों के तंदूर और ग्रिल के लिए उपयोग करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। आयेग ने पहले जारी किए एक आदेश में कपड़े की इस्त्री के लिए लकड़ी के चारकोल के इस्तेमाल को अनुमति दी थी लेकिन अब नए आदेश के अनुसार जनवरी 2023 से पूरे दिल्ली-एनसीआर में औद्योगिक घरेलू और अन्य विविध अनुप्रयोगों में कोयले के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। दिल्ली में फैक्ट्रियों में सालाना लगभग 1.7 मिलियन टन कोयले का उपयोग किया जाता है। अकेले 6 प्रमुख औद्योगिक जिलों में लगभग 1.4 मिलियन टन कोयले की खपत होती है। वाहनों के प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल ने यूपी राजस्थान और हरियाणा के एमसीआर क्षेत्रों को भी निर्देश दिया है कि वे 1 जनवरी से केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक ऑटो वाहनों को पंजीकृत करें। दिल्ली में 1998 से डीजल ऑटो रिक्शा के वाहनों को सीएनजी में बदलने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया था। दिल्ली में फिलहाल डीजल से चलने वाले ऑटो का रजिस्ट्रेशन नहीं होता है। दिल्ली परिवहन विभाग ने पिछले साल अक्टूबर में 2461 ई-ऑटो के पंजीकरण के लिए एक योजना शुरू की थी। राजधानी में पीएम 2.5 पॉल्यूटेंट्स के उत्सर्जन में वाहनों की हिस्सेदारी 40 फीसदी है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न में केस दर्ज

चंडीगढ़ । हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक महिला कोच की शिकायत के बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर विभन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। चंडीगढ़ पुलिस के पीआरओ ने कहा की अभी जांच चल रही है। मंत्री पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाने वाली जूनियर एथलेटिक्स कोच शिक्षा डागर ने चंडीगढ़ के एसएसपी को मंत्री के खिलाफ शिकायत दी है। दूसरी तरफ खेल विभाग की महिला उपनिदेशक कविता खेल मंत्री के बचाव में उतर आई हैं। कविता ने खेल निदेशालय में प्रेस कान्फ्रेंस कर मंत्री को क्लीन चिट देते हुए जूनियर एथलेटिक्स कोच को ही संदेह के दायरे में खड़ा कर दिया है। इस महिला कोच ने चंडीगढ़ एसएसपी को दी लिखित शिकायत में अपने साथ हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग है। महिला कोच ने अपने साथ हुई कथित छेड़छाड़ के मामले में इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला से मुलाकात कर चुकी हैं। उन्होंने मीडिया वालों से बातचीत की जिसके बाद अभय चौटाला ने मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बात की थी। महिला कोच ने कहा कि इस लड़ाई में सहयोग के लिए वह मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा से भी मिलेंगी।

झुग्गी की बेटियां करेंगी कैटवॉक

जयपुर । जयपुर के प्रतापनगर की झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली लड़कियों का आत्मनिर्भर बढ़ाने के लिए उन्हें 15 दिन का कैटवॉक करने का प्रशिक्षण दिया गया। इन सभी बच्चियों को 14 दिन तक पार्क में कैटवॉक करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात इन बच्चियों का स्वाभिमान और और आत्मनिर्भरता देखने को मिली। जयपुर की संस्था जरूरतमंदों को स्किल डेवलपमेंट का मनपसंद कोर्स करवा रही है। इसमें क्राफ्ट आइटम बेडशीट कुर्ती हर्बल टी सहित अन्य उत्पाद निर्मित करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। सोनू हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट संस्था की ओर से प्रशिक्षण देकर रोजगार के काम में लगाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विशेष रूप से झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र में जहां आत्मविश्वास कम होता है। वहां के बच्चों को आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

अहमदाबाद की अस्पताल में आग लगने से 2 लोग जिंदा जले

अहमदाबाद । अहमदाबाद के मोदी आई केयर अस्पताल में शनिवार को भीषण आग लग गई। फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची तब तक आग बुझ चुकी थी। घटनास्थल पर दो शव बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि मृतक दंपत्ति अस्पताल के ही कर्मचारी थे। अस्पताल परिसर में ही रहते थे। दोनों की मौत दम घुटने से हुई है। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। आग किन कारणों से लगी है यह पुलिस ने अभी तक स्पष्ट नहीं किया है। अस्पताल प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी पुलिस ने चुप्पी साध रखी है।

असम के 4 नए जिलों को शामिल किया पुराने जिलों में

गुवाहाटी । असम मंत्रिमंडल की हाल ही में हुई बैठक में जो 4 नए जिले बनाए गए थे। उन जिलों को अब पुराने ही जिलों में मर्ज करने का निर्णय मंत्रिमंडल ने लिया है। मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा ने बताया विश्वनाथ जिला सोणितपुर जिला होजाई जिला नगांव तामूलपुर जिला बक्सा तथा बजाली का विलय बरपेटा में करने का निर्णय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। उल्लेखनीय हैकुछ समय पूर्व ही नए जिले बनाए गए थे नए जिलों के निर्माण को लेकर कानून व्यवस्था और अन्य राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए 4 नए जिलों का पुराने जिलों में ही विलय कर दिया गया है।

मेट्रो से दान में मिले अंगों को अस्पतालों में पहुंचाने की व्यवस्था

नई दिल्ली । दिल्ली सहित देश के कुछ बड़े शहरों में अंगदान होने के बाद उनकी जरूरत को देखते हुए मानव अंगों को संबंधित अस्पताल में पहुंचाने के लिए परिवहन सेवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। दान में मिले अंगों का सही समय पर प्रत्यारोपण हो जाए। इसके लिए दिल्ली में मेट्रो के जरिए भी अंगों को निश्चित समय सीमा में भेजने की प्रक्रिया बनाने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय अंग और उत्तक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) दान में मिले अंगों को बिना किसी बाधा के जल्द से जल्द एक स्थान से दूसरे स्थान में पहुंचाने के लिए बेहतर सुविधा विकसित करने की तैयारी में लगा हुआ है। आने वाले समय में मेट्रो विमान सड़क पथ से एंबुलेंस के अलावा अन्य विकल्पों द्वारा तय समय पर अंग पहुंचाने के सभी विकल्प तलाशे जा रहे हैं। ताकि दान में मिले हुए अंगों का उपयोगमरीजों के प्रत्यारोपण और उपचार के लिए हो सके।

बिहार के मंत्रियों के दौलत का ब्यौरा: कई मंत्री सीएम नीतीश व तेजस्वी से ज्यादा अमीर

पटना ।

नए साल के एक दिन पहले यानी 2022 के आखिरी दिन 31 दिसंबर को बिहार सीएम डिप्टी सीएम और उनके मंत्रियों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा प्रस्तुत किया है। बिहार में यह परंपरा साल 2005 से चली आ रही है। जब पहली बार नीतीश कुमार बिहार के सीएम बने थे

तब सभी की संपत्ति का ब्यौरा राज्य कैबिनेट सचिवालय विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया। कई मंत्री ऐसे हैं जिनकी संपत्ति बिहार सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से भी ज्यादा है।

बिहार सीएम नीतीश के पास हैं 12 गाय दिल्ली में फ्लैट

सीएम नीतीश कुमार ने अपनी संपत्ति का जो ब्यौरा सार्वजनिक किया है उसके मुताबिक उनके पास 12 गाय और 10 बछड़े हैं। कुमार ने घोषणा की है कि उनके पास राजधानी दिल्ली के द्वारका में एक फ्लैट है जिसकी कीमत खरीद के वक्त 13.78 लाख रुपए थी और मौजूदा कीमत 58 लाख 85 हजार रुपए है। सीएम नीतीश ने कहा है कि उनके पास 16 लाख 68 हजार कीमत की चल संपत्ति और 58 लाख 85 हजार कीमत की अचल संपत्ति है। उनके पास 28135 रुपए की नकदी बैंक में 50 हजार और 104600 के आभूषण हैं। नीतीश कुमार ने सार्वजनिक किया है कि उनके पास 13 हजार रुपए की एक्सरसाइज साइकिल भी है।

जानें डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के पास कितनी संपत्ति

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की घोषणा के अनुसार उनके पास 75 हजार रुपए और उनकी पत्नी राजश्री के पास एक लाख 25 हजार रुपए हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 में उन्होंने इनकम टैक्स के रूप में 376090 रुपए का भुगतान किया। तेजस्वी के छह विभिन्न बैंक खातों में 65 लाख रुपए जमा हैं। उनकी पत्नी के पास बैंक में 1 लाख और 2 लाख 2 हजार 526 की एफडी हैं। राजश्री के पास 2 लाख 5 हजार 343 रुपए की एलआईसी पॉलिसी है। तेजस्वी ने का बांड और शेयर में 5 लाख 38 हजार रुपए का निवेश किया है। वहीं तेजस्वी के पास 9 लाख 5 हजार 300 मूल्य का 200 ग्राम सोना है जबकि उनकी पत्नी के पास 22 लाख 87 हजार 200 मूल्य का 480 ग्राम सोना और एक लाख मूल्य की 2 किलो चांदी है। तेजस्वी ने घोषणा की है कि उनके पास फुलवारी शरीफ पटना गोपालगंज के फुलवरिया में कृषि भूमि और दानापुर पटना और गोपालगंज में 3402 वर्गफिट गैर कृषि भूमि है।

वन और पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव भी करोड़ों के मालिक

डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बड़े भाई और वन और पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि उनके पास 1 लाख रुपए नकद हैं और विभिन्न बैंकों में 40 लाख रुपए जमा हैं। तेज प्रताप के पास 2012 मॉडल की बीएमडब्ल्यू कार और 15 लाख रुपए की एक मोटरसाइकिल है। उनके पास 100 ग्राम सोना और एक करोड़ 49 लाख 53 हजार रुपए की चल संपत्ति है।

ये हैं मुख्यमंत्री नीतीश के करोड़पति मंत्री

- बिहार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह के पास एक करोड़ रुपए से अधिक की अचल संपत्ति है। उसके पास एक रायफल और 12 बोर की बंदूक है। उसके पास 1.5 करोड़ रुपए की कीमत के 10 प्लॉट भी हैं।
- जल संसाधन मंत्री संजय झा के पास करोड़ों की संपत्ति है जिसमें उनकी पत्नी के नाम पर 5.25 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट जमा भी शामिल है।

- उद्योग मंत्री समीर महासेठ के पास 7 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है।
- शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर के पास 1.96 करोड़ रुपए की संपत्ति है।
- पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनीता देवी के पास 1.24 करोड़ रुपए की संपत्ति है। उनके पास 1 करोड़ रुपए की कृषि भूमि है।
- समाज कल्याण मंत्री मदन साहनी के पास 2.58 करोड़ रुपए की संपत्ति है।
- भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के पास 4.42 करोड़ रुपए की संपत्ति है।
- कला और संस्कृति मंत्री जितेंद्र राय के पास 3.65 करोड़ रुपए की जमीन और मकान है।

शांति जैन समाज अशांत

– सारे देश के हर स्थान पर सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र को लेकर प्रदर्शन – जैन समाज अल्पसंख्यक नहीं बहुसंख्यक समाज है

मुंबई ।

केंद्र सरकार को यह मुगालता हो गया है कि जैन धर्म के लोग अल्पसंख्यक हैं। यह भाजपा की सबसे बड़ी भूल है। सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से जैन समाज का समाज के सभी वर्गों और समुदायों पर हमेशा से प्रभाव रहा है। जैन समाज के लोगों पर सभी वर्गों का विश्वास है। जब भी सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव आता है। उसकी प्रेरणा स्त्रोत जैन समाज ही होती है। जैन समाज को सभी वर्गों का समर्थन मिलता है। जिसके कारण वह हमेशा बहुसंख्यक समाज की भूमिका में होती है। जैन समाज की धार्मिक आस्थाओं पर पहली बार इतनी बड़ी चोट की गई है। सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र से तप करके 20 तीर्थंकर भगवान मोक्ष गए हैं। उस तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने की गलती करनाजैन समाज के आंदोलन और प्रदर्शन को बड़े हल्के में लेने के कारण देश के जैन समाज के सभी पंथ और जैन समुदाय के लोग उद्वेलित हैं। जैन समाज के सभी आचार्य और मुनि महाराज पर्यटन स्थल बनाने का विरोध कर चुके हैं। जैन समाज में इसके पहले इतनी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया कभी देखने को नहीं मिली। मुगलों और अंग्रेजों के शासन में जो कृत्य नहीं हुआ वह अपने ही हिंदू राज में हो रहा है।

केंद्र सरकार इस बात को क्यों नहीं समझ पा रही है जैन समाज की आस्था और हजारों वर्षों के पौराणिक इतिहास की अनदेखी करकेभारतीय जनता पार्टी ने राजनीतिक दृष्टि से भी बड़ा जोखिम लिया है। भाजपा के लोग जिस तरह से 80-20 की राजनीति कर रहे हैं। उसके हिसाब से जैन समाज अल्पसंख्यक है। लेकिन जैन समाज का प्रभाव 60 फ़ीसदी लोगों में प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिलता है। रोजी रोजगार टैक्स और विकास के क्रम में जैन समाज का बड़ा योगदान हमेशा से रहा है। आगे भी रहेगा। यदि जैन समाज रूठ गई तो केंद्र सरकार को भी अपना अस्तित्व बचाना मुश्किल होगा। जैन समाज की छवि सभी जाति और धर्म के समुदाय में सर्वश्रेष्ठ है। जैन समाज सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर चलती है। जियो और जीने दो की भावना रखती है। समाज के सभी वर्गों को समय पड़ने पर हर आवश्यकता के लिए सामने खड़ी होती है। इस छवि के सामने भाजपा की राजनीतिक छवि कोई मायने नहीं रखती है। समय रहते केंद्र सरकार ने यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो इससे राजनीतिक दृष्टि से भाजपा को बड़ा नुकसान होना तय माना जा रहा है। पहली बार जैन समाज के लोग इतने गुस्से में है गांव गांव में मौन जुलूस निकाले जा रहे हैं। सभी वर्गों के लोग इस आंदोलन में जैन समाज को समर्थन दे रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा की अभी तक की शायद सबसे बड़ी गलती है। जैन समाज को अल्पसंख्यक समाज मानकर केंद्र सरकार ने उपेक्षित करना शुरू किया है। इससे केंद्र सरकार की साख और आम लोगों का विश्वास केंद्र सरकार से कम हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

थर्टी फर्स्ट की रात पुलिस द्वारा युवक की पिटाई का सीसीटीवी फुटेज वायरल, पीआई ने कहा, 'युवक जांच में सहयोग नहीं कर रहा था!'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए है और सूरत पुलिस के आला अधिकारी लोगों और पुलिस के बीच सामंजस्य बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वहीं कुछ पुलिसकर्मियों की वजह से समग्र पुलिस विभाग की छवि खराब हो रही है। ऐसी ही एक घटना उधना क्षेत्र में सामने आई है। सूरत के उधना में दो पुलिसकर्मियों की बर्बरता का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दो पुलिसकर्मियों द्वारा एक युवक की पिटाई करते देखा जा सकता है। इस घटनाक्रम

सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस की इस तरह की कार्रवाई के खिलाफ लोगों में गुस्सा भी दिख रहा है।

उधना पुलिस ने युवक को पिटाई कर दी

जानकारी के अनुसार थर्टी फर्स्ट के जश्न को लेकर सूरत पुलिस पूरे दिन शहर में विशेष बंदोबस्त और चौकसी बरत रही थी। सूरत के भाठेना इलाके में देर रात एक युवक को दो पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया। इतना ही नहीं उसे घसीटते हुए थप्पड़ भी मारे। उधना पुलिस की दबंगई की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस की ऐसी दादागीरी का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। भठेना में हुई घटना में युवक के साथ मारपीट करने और उससे कथित रूप से पांच हजार रुपये लेने की बात सामने आई है।

इस सीसीटीवी फुटेज के वायरल होने के बाद पता चला है कि पूरे मामले की जांच पुलिस के उच्च अधिकारी कर रहे हैं।

बयान लिया गया - पीआई

उधना थाने के पीआई एच एस आचार्य ने मीडिया को बताया है कि सीसीटीवी सामने आते ही जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटना में शामिल दोनों पुलिसकर्मियों के बयान ले लिए गए हैं।

दो पुलिस कांस्टेबलों में से एक लोक रक्षक है जबकि दूसरा हेड कांस्टेबल है। जब दोनों रात के समय पीसीआर वैन में थे, तब रिक्शे में बैठे दो संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, एक भाग निकला और दूसरे ने पुलिस का सहयोग नहीं किया।

उन्होंने कहा है कि जवानों ने बाद में पूछताछ की और उन्हें साथ ले जाने की कोशिश की। मारपीट के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

वेसमा के निकट बस और कार के बीच भीषण हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,दक्षिण गुजरात के नवसारी में आज तड़के सुबह भीषण सड़क हादसे में बस के ड्राइवर समेत 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। जबकि 30 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। जानकारी है कि चलती गाड़ी में बस के ड्राइव को दिल का दौरा पड़ा और वह गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा और कार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में कार में सवार 8 युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बस के ड्राइवर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। बस में सवार करीब 30 जितने लोगों को छोटी-मोटी चोटें आई है और उन्हें नवसारी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल 11 लोगों का नवसारी के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर वेसमा गांव के पास हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला है। पुलिस ने बताया कि शवों को निकालने के लिए दोनों गाड़ियों को काटना पड़ा है। इस वजह से घायलों को राहत पहुंचने में थोड़ी देरी हुई है। हादसे पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात के नवसारी में हुआ सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है। इस घटना में जिन लोगों ने अपने परिवारों को खोया है उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। स्थानीय प्रशासन घायलों को तत्काल उपचार मुहैया करा रहा है उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

शराब के नशे धुत्त युवक ने विद्या की सरस्वती माता का किया अपमान लोगों में आक्रोश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

छोटाउदेपु ,गुजरात में शराबबंदी होने के बावजूद आए दिन शराब समेत नशीले पदार्थ पकड़े जा रहे हैं। वैसे तो थर्टी फर्स्ट और न्यू ईयर की पार्टियों में नशीले पदार्थों को पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस कई दिनों से गुजरात में प्रवेश करने वालों पर वाहनों की जांच कर रही है। लेकिन राज्य में कई जगह धड़ल्ले से शराब बिक रही है। ऐसा नहीं होता तो नशे में धुत्त युवक स्कूल में घुसकर हंगामा नहीं मचाता और विद्या की देवी सरस्वती माता का अपमान नहीं करता। यह घटना छोटा उदेपुर जिले की नसवाडी तहसील के गेलेसर प्राथमिक स्कूल की है। जहां योगेश राठवा नामक एक युवक शराब के नशे में पहुंच गया। युवक ने इतनी शराब पी रखी थी कि उसे कोई होश नहीं था। आएं बाएं साएं बकता हुआ युवक स्कूल के एक कमरे में पहुंच गया और एक टेबल पर रखी सरस्वती माता की तस्वीर को लात मारकर जमीन पर गिरा दिया। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश भड़क उठा है। लोगों की मांग है कि योगेश राठवा के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

आदतन चोर पकड़ा गया, 6 वारदातें सुलझीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत की पांडेसरा पुलिस ने आरोपी को शहर में अलग-अलग जगहों पर 6 चोरियां करने के बाद गांव जाने से पहले ही पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से 3.80 लाख रुपये नकद और चोरी के उपकरण बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस की जांच में 6 अपराध सुलझाए गए हैं। इसके अलावा आरोपी आदतन अपराधी है और पहले भी 3 मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस ने आरोपी से 3.80 लाख नकद बरामद किए

पांडेसरा पुलिस का अमला सूरत में गश्त पर था। उस दौरान करीब एक सप्ताह पूर्व पांडेसरा दक्षेश्वर मंदिर के समीप स्थित पावर लूम्स खाता के दरवाजे का ताला तोड़ कार्यालय में रखे नकद रुपये की चोरी करने वाले के बारे में सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पहरेदारी की और 52 वर्षीय आरोपी मनकेश्वर शंकरसिंह कुर्मी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 3.80 लाख रुपये नकद और चोरी में इस्तेमाल उपकरण बरामद किया है।

शहर के अलग-अलग उद्योगों की फैक्ट्रियों में चोरी करता था

पुलिस ने आरोपी से सख्ती से पूछताछ की तो पता चला कि वह खुद सूरत शहर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में जाता था। क्षेत्र की जांच करता था फिर रात में बंद खाते में प्रवेश कर खाते के कार्यालय में सेंध लगाता था। कार्यालय से नकद रुपये चोरी करता था और अपने गांव भाग जाता था।

शहर के 6 थानों के क्राइम केस सुलझाए गए

साथ ही पुलिस जांच में पांडेसरा थाने में चोरी का 1, सलवतपुरा थाने में 2, उधना थाने में 2 और खटोदरा थाने में 1 मामला दर्ज किया गया और कुल 6 अपराधों को सुलझाया गया। इसके अलावा आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और इससे पहले वह दो बार चौकबाजार थाने और कतारगाम थाने में चोरी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

पहले रेकी करता था फिर बाद में चोरी करता था

स्कूल के क्लर्क ने 13 साल की छात्रा से की छेड़छाड़ और अश्लील मांग आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,वाघोडिया के जरोद की स्कूल के एक क्लर्क ने नाबालिग छात्रा के साथ सरेआम छेड़छाड़ और अश्लील मांग की। पीड़ित छात्रा ने अपनी माता से क्लर्क हरकतों की शिकायत की और मामला पुलिस थाने पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी क्लर्क को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकी है।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा में वाघोडिया के जरोद स्थित एमपी हाईस्कूल के क्लर्क गणपत भालिया पर स्कूल की ही एक 13 साल की छात्रा ने गंभीर आरोप लगाया है। छात्रा का आरोप है कि गणपत भालिया ने सरेआम उसका हाथ पकड़ा और छेड़छाड़ की। आरोपी ने लेडिज टॉयलेट से लौटते समय छात्रा का हाथ पकड़कर अश्लील मांग भी की थी। इस घटना के बारे में छात्रा ने पहले अपनी माता से शिकायत की और बाद में पुलिस थाने में गणपत भालिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज होने के साथ ही स्कूल के क्लर्क आरोपी गणपत भालिया को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पोक्सो समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

पीएम मोदी के गृहनगर में वडनगर में उनकी माता स्व. हीरा बा श्रद्धांजलि दी गई

नितिन पटेल ने कहा – हीरा के प्रति गुजरात के नागरिकों का प्रेम-सदभाव आज दिख रहा है

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मेहसाणा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता हीरा बा के लिए आज उनके गृहनगर वडनगर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें मोदी परिवार के सदस्य सदस्य भाजपा और कांग्रेस नेता समेत स्थानीय लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। वडनगर में हीरा बा को श्रद्धासुमन अर्पित करने केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल विधायक माया कोडनानी भारती आश्रम के ऋषि भारती गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर विजापुर के विधायक सीजे चावडा पहुंचे। हीरा बा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे नितिन पटेल ने कहा कि हीरा बा को सादगी धर्म निष्ठा देश भावना और परिवार के संबंधों के कारण लोग सदैव याद करेंगे। यही सब याद रखते हुए आज बड़ी संख्या में लोग यहां आए हैं? गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने कहा कि हीरा बा 100 वर्ष की आयु में हरा-भरा बाग छोड़ गईं। जीवन में माँ की कमी हमेशा खलती है। संघ के प्रचारक और भाजपा नेता संजय जोशी ने श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि हीरा बा ने तपस्वी कर्मनिष्ठ और सादगीपूर्ण जीवन जीवन जिया है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो काम कर रहे हैं उसमें हीरा बा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हीरा बा के निधन से उनके परिवार को जो दुःख हुआ है उसके प्रति संवेदना व्यक्तकरता हूं। भारती बापु ने कहा कि यह शोकसभा नहीं श्लोक सभा है। प्रार्थना सभा में उपस्थित लोगों को भगवद् गीता भेंट की जा रही है। साधु-संत सामाजिक और राजनीतिक नेता सभी हीरा बा को श्रद्धांजलि देने आए हैं। हीरा बा के प्रति गुजरात के नागरिकों का जो प्रेम और सदभाव था वह आज दिखाई दे रहा है। बता दें कि पीएम मोदी की माता हीरा बा का शुक्रवार तड़के करीब 3.30 बजे अहमदाबाद के यूएन अस्पताल में निधन हो गया था। तबियत बिगड़ने के बाद बुधवार के दिन हीरा बा को यूएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दिन पीएम मोदी भी अपनी माता के स्वास्थ्य के हालचाल लेने अहमदाबाद आए थे और डॉक्टरों से उनकी तबियत में सुधार की खबर के बाद दिल्ली लौट गए थे। लेकिन शुक्रवार तड़के हीरा बा का 100 की आयु में निधन हो गया था। शुक्रवार की सुबह ही हीरा बा को गांधीनगर के मुक्तिधाम में अंतिम बिदाई गई। सोमाभाई मोदी अमृतभाई मोदी पीएम नरेन्द्र मोदी प्रहलादभाई मोदी और पंकजभाई मोदी समेत पांचों बेटों ने अपनी माता हीरा बा को मुखाग्नि दी। आज यानी रविवार को वडनगर के जवाहर नवोदय विद्यालय के होल में हीरा बा के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर हीरा बा को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। प्रार्थना सभा में आए प्रत्येक व्यक्ति को श्रीमद भगवद् गीता भेंट की गई।

सचिन-भेस्तान और वलसाड-डूंगरी स्टेशनों के बीच ब्लॉक होने के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सचिन-भेस्तान के बीच समपार फाटक पर गर्डर लॉन्चिंग के कार्य के लिए मंगलवार 3 जनवरी 2023 को 11.50 बजे से 14.50 बजे तक तथा वलसाड-डूंगरी स्टेशनों के बीच समपार फाटक के स्थान पर सड़क ऊपरी पुल के गर्डरों की लॉन्चिंग के लिए मंगलवार 3 जनवरी 2023 एवं शुक्रवार 6 जनवरी 2023 को 12.30 बजे से 14.00 बजे तक ट्रैफिक सह पावर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनों को रेगुलेट किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है–

3 जनवरी 2023 को रेगुलेट होने वाली ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 19016-पोरबंदर-दादर सौराष्ट्र एक्सप्रेस को 1 घंटा 20 मिनट रेगुलेट किया जाएगा तथा यह नवसारी में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
2. ट्रेन संख्या 19567 तूतीकोरिन-ओखा विवेक एक्सप्रेस को 1 घंटा 10 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
3. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
4. ट्रेन संख्या 14805 यशवंतपुर-बाड़मेर एसी एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
5. ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
6. ट्रेन संख्या 12217 कोचुवेली-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
7. ट्रेन संख्या 12925 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

3 जनवरी और 6 जनवरी 2023 को रेगुलेट होने वाली ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 09040 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
2. ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
3. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
4. ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्वराज एक्सप्रेस को ३५ मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
5. ट्रेन संख्या 82653 यशवंतपुर-जयपुर सुविधा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 20 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

एयरपोर्ट पर पक्षियों की गतिविधियां रोकने सौर संचालित एफएलटी सिस्टम का उपयोग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सराहनीय प्रयास किए गए हैं। हवाई अड्डे पर विमानों के सुरक्षित उतरने और उड़ान के दौरान पक्षियों की गतिविधियों से निपटने के लिए सौर संचालित फेरोज लाइ ट्रेप (एफएलटी) सिस्टम का उपयोग किया गया है। इस सिस्टम के उपयोग से एयरपोर्ट पर पक्षियों की गतिविधियों से होने वाली समस्याओं से निजात मिलेगी और फ्लाइटों का सुरक्षित लैंडिंग तथा टेक ऑफ हो सकेगा। सौर ऊर्जा से चलने वाले फेरोज लाइट ट्रेप में पक्षियों की गतिविधियों की रोकथाम के लिए खास सिस्टम का उपयोग किया गया है। एयरपोर्ट पर ऐसी कई पहल और प्रयासों से चलते 2022 में बर्ड हिट की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। एफएलटी की जाल में क्रिकेट्स पेन्टाटोमिड बग्स मोथ्स सिर्फिड फ्लायस और ईयरविग्स जैसे कीट फंस जाते हैं। जिससे इन कीटों पर निर्भर पक्षियों को आहार मिलना बंद हो जाता है।

यह सिस्टम मुख्य तौर पर रोजी स्टार्लिंग्स मायनास स्वेलो और स्विफ्ट्स जैसे पक्षियों की गतिविधियां रोकता है। अहमदाबाद के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुख्य रूप से बड़े फ्लोकिंग पक्षी देखने को मिलते हैं।

विभिन्न कीटों के साथ एफएलटी टिड्डियों को भी पकड़ने काफी मददगार है। खास डिजाइन के साथ तैयार एफएलटी उसके रंग और प्रकाश के कारण कीटों और टिड्डियों को आकर्षित करता है। हर रात एलएफटी की कार्यप्रणाली पक्षियों के आहार का अभाव पैदा करती है। एक रात में एफएलटी करीब 100 किलो कीट पकड़ सकती है और इसके उपयोग से कीटनाशक का प्रयोग भी घटता है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी का मानना है कि इस सिस्टम से पक्षियों की गतिविधियों की रोकथाम में काफी मदद मिलेगी। फ्लाइटों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले दो साल में स्टाफ में वृद्धि लेजर गन जोन गन और बायो एकोस्टिक जैसे उपयोग समेत कई कदम एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने उठाए हैं।

गुजरात के इस जिले में कोरोना के नए वेरिएन्ट से मचा हड़कम्प हरकत में आया प्रशासन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

चीन समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना के नए वेरिएन्ट ने कहर बरपा रखा है। जिसे देखते हुए भारत सरकार समेत राज्यों की सरकार सतर्क हो गई हैं और हरसंभव ऐहतियाती कदम उठा रही हैं। इस सबके बीच आणंद जिले में कोरोना के नए वेरिएन्ट की एन्ट्री से हड़कम्प मच गया है। आणंद जिले के खंभात में कोरोना का एक्सबीबी 1.5 वेरिएन्ट का पहला मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। कोरोना के चौथी लहर की संभावनाओं के बीच आणंद जिले में कोरोना के नए वेरिएन्ट की दस्तक से लोगों में दहशत फैल गई है। दूसरी ओर कोरोना के नए वेरिएन्ट के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग एक्शन में आ गया है और जल्दी कदम उठा रहा है। गौरतलब है चीन में कहर बरपा रहे ओमिक्रोन के सब वेरिएन्ट बीएफ 7 दुनियाभर के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। भारत में भी ऐसे मामलों के बढ़ने से सरकारें सतर्क हो गई हैं। ऐसे में अमेरिका का कोरोना का खतरनाक वेरिएन्ट सामने आया है।